केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

4 नवंबर 2025

मंगलवार

आपकी आवाज

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करने को लेकर हुई डीएम की समीक्षा बैठक

2

भारत ने बहरीन के साथ व्यापार समझौते के लिए शुरू की बातचीत

- न्यूजीलैंड के साथ FTA के लिए चौथे दौर की वार्ता जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और बहरीन ने सोमवार को एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने और एक निवेश समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंचने की घोषणा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी के साथ आपसी संबंधों को और व्यापक बनाने के लिए बातचीत की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को एक साझा समझ विकसित करने पर भी सहमति जताई। अधिकारियों ने कहा कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता बहाल करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी रविवार को दो दिनों की यात्रा पर भारत पहुंचे थे। वे एक ऐसे वक्त में व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जब पश्चिम एशिया भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। जयशंकर और अलजयानी ने रक्षा, सुरक्षा, आर्थिक, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, वित्त प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। एक संयुक्त बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मूल धातुओं और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने का संकल्प लिया।

न्यूजीलैंड के साथ एफटीए के लिए चौथे दौर की वार्ता शुरू

वहीं दूसरी ओर, भारत और न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने सोमवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए ऑकलैंड में चौथे दौर की वार्ता शुरू कर दी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस सप्ताह ऑकलैंड जाएंगे और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले से वार्ता की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ह्यह्यभारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता आज (सोमवार) न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में शुरू हुई। ये बातचीत 7 नवंबर तक चलेगी। इस दौर की वार्ता वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार और उत्पत्ति के मूल नियमों सहित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है।

सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में आई खराबी, मंगोलिया में इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी/नई दिल्ली

एअर इंडिया की फ्लाइट AI174, रविवार (2 नवंबर, 2025) को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली जा रही थी, को बीच रास्ते में तकनीकी गड़बड़ी की आशंका के कारण उलानबातर, मंगोलिया में एहतियाती लैंडिंग करनी पड़ी. एयरलाइन के बयान के मुताबिक फ्लाइट क्रू को उड़ान के दौरान एक संभावित तकनीकी समस्या का संदेह हुआ, जिसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर विमान को मंगोलिया के उलानबातर एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला लिया गया.एअर इंडिया के अनुसार, वे अपने साझेदारों के साथ मिलकर यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने में लगे हैं और शीघ्र से शीघ्र सभी को उनके गंतव्य दिल्ली पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं. कोलकाता होते हुए उड़ान संख्या अक174 उलानबटोर में सुरक्षित उतर गई और अभी तकनीकी जांच चल रही है. वहीं एअर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, 'इस आपातकालीन स्थिति की वजह से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है. हम सभी यात्रियों की सहायता के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. एयर इंडिया में, यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारे लिए सबसे ऊपर है.' फ्लाइट में कितने पैसेंजर थे, इसकी जानकारी तुरंत नहीं मिल पाई. वहीं दूसरी तरफ काठमांडू जा रहे श्री एयरलाइंस के एक विमान को शनिवार को तकनीकी खराबी के बाद नेपाल में आपात लैंडिंग करनी पड़ी. विमान में सवार सभी 82 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं।

1 लाख करोड़ की आरडीआई स्कीम की लॉन्च

आज हमारे पास दुनिया का सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत टेक्नोलॉजी का कंज्यूमर होने से टेक्नोलॉजी से होने वाले बदलाव में ग्लोबल पायनियर बन गया है। उन्होंने इस बदलाव का क्रेडिट देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, देसी इनोवेशन और रिसर्च में हुई तरक्की को दिया। इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (एरळक्ळ) 2025 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के पास दुनिया का पहला और सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है।प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत अब टेक्नोलॉजी का कंज्यूमर नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी से होने वाले बदलाव में पायनियर है। उडश्क्ळ के दौरान, हमने रिकॉर्ड समय में देसी वैक्सीन बनाई। हमने दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू किया। यह इसलिए मुमकिन हुआ क्योंकि आज हमारे पास दुनिया का पहला और सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है।'इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने पर सरकार के फोकस पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत को 'इनोवेशन हब' में बदलने के लिए बनाई गई पॉलिसी और फैसलों का असर साफ दिख रहा है। मोदी ने कहा कि भारत हाई रिस्क और हाई इम्पैक्ट रिसर्च और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट कर रहा है और इस डोमेन में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा दे रहा है ताकि साइंस और टेक्नोलॉजी की पावरहाउस बन सके। निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए निधि की शुरूआत कॉन्क्लेव में प्रधानमंत्री ने रिसर्च और डेवलपमेंट में प्राइवेट सेक्टर के इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन फंड भी लॉन्च किया। उन्होंने कहा, 'इस बड़े इन्वेस्टमेंट का मकसद जनता को फायदा पहुंचाना और मौकों के नए रास्ते खोलना है।' दिल्ली में आयोजित एरळक्ळ को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा,'यह कार्यक्रम विज्ञान से जुड़ा है, लेकिन पहले मैं भारत की शानदार क्रिकेट जीत की बात करूंगा।' उन्होंने कहा, ह्लपूरा भारत अपनी क्रिकेट टीम की सफलता से उत्साहित है। यह भारत का पहला महिला विश्व कप खिताब है। मैं हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई देता हूं। हमें आप पर गर्व है। आपकी सफलता देशभर के लाखों युवाओं को प्रेरित करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए खिताब में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना पहला विश्व कप जीतकर भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय दर्ज किया।

सहयोग के लिए मिलेगा प्लेटफॉर्म

ESTIC 2025 में प्रमुख वैज्ञानिकों की पैनल चर्चाएं, प्रस्तुतियां और टेक्नोलॉजी प्रदर्शन होंगे, जो भारत के साइंस और टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए शोधकताओं, उद्योग और युवा इनोवेटर्स के बीच सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

देश में साइबर फ्रॉड से 3000 करोड़ रुपये की ठगी, सुप्रीम कोर्ट के जज हैरान

- कहा- 'सख्त कार्रवाई जरूरी'

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साइबर फ्रॉड, खासकर डिजिटल अरेस्ट के मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि वह इस मामले को सख्ती से संबोधित करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को जब यह पता चला कि देश में 3000 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड हो चुके हैं तो उन्होंने इस पर हैरानी जताई। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, "यह चौंकाने वाली बात है कि पीड़ितों से लगभग 3,000 करोड़ रुपये वसूले जा चुके हैं और यह सब हमारे देश में ही है। अगर हम सख्त और कठोर आदेश नहीं देंगे, तो समस्या और बढ़ जाएगी। हम इससे सख्ती से निपटेंगे।"गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट प्रस्तुत की।

पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने हर राज्य से मांगी थी रिपोर्ट

पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत ने देश भर में डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले की घटनाओं के संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया था। इसने सभी राज्यों से जांच के लिए लंबित साइबर गिरफ्तारी मामलों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा था। इसने जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने पर भी विचार किया था और पूछा था कि क्या सीबीआई के पास ऐसे घोटालों से संबंधित देश भर के सभी मामलों को संभालने के लिए संसाधन हैं।

बंगाल : कलकत्ता हाईकोर्ट ने भाजपा को दी बड़ी राहत, सशर्त विरोध-रैली निकालने की अनुमति

एजेंसी/कोलकाता

दक्षिण 24 परगना के प्रदीप कर की मौत के विरोध में प्रस्तावित विरोध रैली को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को भाजपा को बड़ी राहत दी। पुलिस की ओर से अनुमति नहीं मिलने के बाद भाजपा ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति कौशिक चंद्र की खंडपीठ ने मंगलवार को सोदपुर से अगरपाड़ा तेंतुलतला बस अड्डे तक प्रदर्शन निकालने की सशर्त अनुमति दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया है कि भाजपा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन रैली निकाल सकेगी। इस दौरान अधिकतम 1000 लोग ही शामिल होंगे। कार्यक्रम समाप्ति पर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी संक्षिप्त भाषण दे सकेंगे। अदालत ने आयोजकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि रैली के कारण आम जनता को कोई असुविधा न हो। साथ ही पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।राज्य सरकार ने इस विरोध रैली पर आपत्ति जताते हुए सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। लेकिन अदालत ने राज्य की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध जताना लोकतांत्रिक अधिकार है।

फिर आने वाला है चक्रवाती तूफान, जारी हुआ अलर्ट

तेज आंधी-तूफान के साथ होगी जमकर बारिश

एजेंसी। नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान मोंथा के बाद एक बार फिर देश के कई हिस्सों में भीषण बारिश और आंधी-तूफान आने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने सोमवार को बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बनने के बाद अंडमान निकोबार द्वीप समूह के लिए 'चक्रवात की चेतावनी' जारी की है। चक्रवाती तूफान के 4 नवंबर से गति पकड़ने का अनुमान है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा ये तूफान आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो नवंबर को सुबह 8:30 बजे बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य और उससे सटे म्यांमार तट पर कम दबाव का क्षेत्र बनना शुरू हुआ। अधिकारी ने कहा, 'इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। अगले 48 घंटों के दौरान इसके उत्तर और फिर उत्तर-पश्चिम दिशा में म्यांमार-बांग्लादेश तटों के पास बढ़ने का अनुमान है।'

55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

अधिकारी ने कहा, विभाग ने उत्तरी अंडमान सागर में 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और तूफानी मौसम की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, 'इस मौसम प्रणाली के 4 नवंबर के बाद तेज होने का अनुमान है और समुद्र की स्थिति अशांत बनी रहेगी।' मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह अलर्ट के चलते स्थानीय प्रशासन ने मछुआरों को उत्तरी अंडमान सागर और उसके आसपास के समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है। नाव संचालकों, द्वीपवासियों और पर्यटकों से भी अत्यधिक सावधानी बरतने और समुद्र में

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र राजतंत्र के गढ़ में फलता-फूलता लोकतंत्र

- जनता ने कभी नहीं बनने दी किसी दल या नेता की जागीर
- इस बार भी दिलचस्प मुकाबले में तीन दावेदार आमने-सामने

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

बक्सर जिले की ऐतिहासिक डुमरांव विधानसभा सीट इस बार फिर चुनावी सरगर्मी के चरम पर है। मात्र दो दिन बाद होने वाले मतदान को लेकर प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। कहीं नुक्कड़ सभाएं तो कहीं जनसंपर्क अभियान, हर ओर चुनावी हलचल तेज है। यहां मुख्य मुकाबला इंडिया गठबंधन के माले प्रत्याशी और निवर्तमान विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह, एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार राहुल कुमार सिंह, और बसपा के वरिष्ठ नेता ददन सिंह यादव उर्फ ददन पहलवान के बीच है। वहीं, जनसुराज पार्टी के शिवांग विजय सिंह ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए मुकाबले को चतुष्कोणीय बनाने का प्रयास किया है। हालांकि, राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि अभी तक ऐसा नहीं हो पाया है।

आजादी की धरती पर लोकतंत्र की परीक्षा

डुमरांव की मिट्टी ने आजादी की लड़ाई में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान यहां के वीर क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। तब महात्मा गांधी के आह्वान पर डुमरांव के स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजी थाना पर तिरंगा फहराया, जिसके जवाब में अंग्रेज पुलिस ने गोलियां चलाईं और चार क्रांतिकारी शहीद हो गए। उग्र जनता ने थाना में आग लगा दी थी। इस आंदोलन में 21 वीरों ने शहादत दी, जिनकी बदौलत इस धरती पर लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हुईं।

मतदान की घड़ी करीब, जनता मौन लेकिन निर्णायक

अब जबकि चुनावी रणभेरी बज चुकी है, डुमरांव एक बार फिर लोकतंत्र के उत्सव के लिए तैयार है। हर गली-मोहल्ले में चर्चाएं गर्म हैं, लेकिन मतदाता इस बार भी मौन रहते हुए अपना मन बना चुके हैं। राजतंत्र से लेकर जनतंत्र तक की इस ऐतिहासिक यात्रा में डुमरांव की जनता ने हमेशा परिवर्तन का साथ दिया है। अब देखना है कि 14 नवंबर को होने वाले मतदान में जनता का आशीर्वाद किस प्रत्याशी को मिलता है, क्या जनता पुरानी राह चुनेगी या नई सोच को अपनाएगी। इतना तय है कि डुमरांव फिर एक बार बिहार की राजनीति में लोकतंत्र की परिपक्वता का संदेश देने जा रहा है।

लोकतंत्र की गहरी जड़ें, राजाओं की नगरी, जनतंत्र की मिसाल

डुमरांव न केवल बिहार बल्कि देश के उन गिने-चुने क्षेत्रों में है जहां लोकतंत्र ने राजतंत्र की मिट्टी में अपनी जड़ें जमाई हैं। कभी राजाओं-महाराजाओं की राजधानी रही यह धरती आज लोकतंत्र की मिसाल बन चुकी है। सात दशक से अधिक समय से यहां की जनता ने यह साबित किया है कि यह सीट किसी की निजी जागीर नहीं, बल्कि जनमत का गढ़ है। यहां के मतदाता हमेशा बदलाव को अपनाने के लिए जाने जाते हैं। यही कारण है कि 1951 से अब तक हुए 17 विधानसभा चुनावों में डुमरांव ने सात बार कांग्रेस, दो बार निर्दलीय, दो बार जनता दल, दो बार जदयू, दो बार वाम दलों, और एक-एक बार सपा व अखिल जन विकास दल को सत्ता की कुर्सी सौंपकर लोकतंत्र की विविधता का सम्मान किया है।

चार बार के विजेता ददन पहलवान और बदलाव के प्रतीक अजीत सिंह

डुमरांव की राजनीतिक पहचान में ददन पहलवान का नाम सबसे प्रमुख रहा है, जिन्होंने चार बार यहां का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं, पिछली बार जनता ने वाम दल के डॉ. अजीत कुमार सिंह को जीत का ताज पहनाकर बदलाव की राह चुनी थी। अब एक बार फिर यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता पुराने अनुभव पर भरोसा करती है या नए चेहरे को मौका देती है।

अंतिम 72 घंटे की तैयारी पर अधिकारियों को मिले सख्त निर्देश

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करने को लेकर हुई डीएम की समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित सभी नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अंतिम 72 घंटे की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में डीएम ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का पर्व है, इसे शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अधिक से अधिक मतदान के साथ संपन्न कराना सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर समन्वय और निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की लापरवाही या तकनीकी समस्या न उत्पन्न हो।

मतदान कर्मी और सामग्री प्रबंधन पर विशेष बल

बैठक में मतदान कर्मियों की तीसरी रैंडमाइजेशन, सामग्री प्रेषण केंद्र (डिस्पैच सेंटर) की तैयारी, चिकित्सीय सुविधा एवं आवश्यक सहूलियतों की व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी मतदान कर्मियों को समय पर प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

संवेदनशील बूथों पर कड़ी निगरानी

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील या महत्वपूर्ण चिह्नित किया गया है, वहां सूक्ष्म पर्यवेक्षक, वेबकास्टिंग एवं सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन बूथों पर पुलिस बलों की तैनाती के साथ-साथ हर गतिविधि पर पैनी निगाह रखी जाए।

कानून-व्यवस्था और सुरक्षा समन्वय

बैठक में डीएम ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) के साथ समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि मतदान के पूर्व अंतिम 72 घंटों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा अंतरराज्यीय सीमाओं पर सघन जांच और चौकसी बढ़ाई जाए। खर्च पर नजर रखने वाली टीमों (एसएसटी, एफएसटी) को भी सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया।

धनबल और अवैध गतिविधियों पर रोक

निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि नकदी, शराब, उपहार वितरण या किसी अन्य प्रलोभन के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जिला प्रशासन की सभी टीमें इस दिशा में सतत निगरानी रखेंगी।

ईवीएम-वीवीपैट और कंट्रोल रूम तैयार

डीएम ने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की आवाजाही, जीपीएस ट्रैकिंग, भंडारण तथा स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन किसी मशीन के खराब होने पर तत्काल प्रतिस्थापन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संचार, मीडिया मॉनिटरिंग और वेबकास्टिंग कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने का निर्देश दिया।

मतदाता जागरूकता पर भी जोर

बैठक में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रयोग के प्रति प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस से पहले किसी प्रकार का जनमत सर्वेक्षण या एग्जिट पोल प्रकाशित या प्रसारित करने पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारियों का एकमात्र लक्ष्य शांतिपूर्ण, विश्वसनीय और अधिकाधिक भागीदारी वाला मतदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता और तत्परता से करें, ताकि बक्सर जिला निर्वाचन प्रक्रिया में आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

राजपुर में 39 संवेदनशील बूथों पर कड़ी सुरक्षा अधिकारियों को मिला अलर्ट मोड में रहने का निर्देश

राजपुर। आसन्न विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजपुर विधानसभा क्षेत्र के 39 संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सोमवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता निवार्ची पदाधिकारी सह डीसीएलआर शशि भूषण ने की। बैठक में सभी सेक्टर पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि मतदान के दिन समय पर तैनाती सुनिश्चित करें और पूरी तरह अलर्ट रहें। डीसीएलआर ने कहा कि निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन सख्ती से किया जाए। सामान्य प्रेक्षक श्री के. विवेकानंदन ने भी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव कार्य निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ संपादित होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि मतदान केंद्रों पर आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन हो, मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, और मतदान कर्मी मतदाताओं से शालीनता व सहयोगपूर्ण व्यवहार करें। प्रेक्षक ने कहा कि निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक के दौरान डीसीएलआर ने अपना मोबाइल नंबर साझा करते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी को परेशानी होने पर वे सीधे संपर्क कर सकते हैं। इस बार पहली बार सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को दिए जा रहे वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है, जिससे उनकी रियल-टाइम ट्रैकिंग की जाएगी और किसी भी अनियमितता की तुरंत जानकारी मिल सकेगी।

शिल्पी राज की धुन पर झूमेगा डुमरांव, राहुल सिंह के समर्थन में निकलेंगी पदयात्रा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा का चुनावी माहौल अब और रंगीन होने जा रहा है। मंगलवार को भोजपुरी की सुपरहिट गायिका शिल्पी राज एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में सड़कों पर उतरेंगी। उनका आगमन न केवल राजनीतिक रफ्तार बढ़ाएगा, बल्कि चुनावी उत्सव को भी संगीत की मिठास से सराबोर कर देगा। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलने वाली इस पदयात्रा की शुरूआत राज हाई स्कूल थाना डुमरांव से होगी। इसके बाद शोभायात्रा राज हॉस्पिटल, गोला बाजार, सब्जी मंडी, अनाज मंडी, शहीद गेट और राजगढ़ चौक होते हुए छठिया पोखरा तक पहुंचेगी,

जहां शिल्पी राज का भव्य स्वागत किया जाएगा। स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में इस कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह है। जगह-जगह बैंड-बाजे और फूलों से स्वागत की तैयारियां चल रही हैं। माना जा रहा है कि शिल्पी राज की लोकप्रियता और उनकी गायकी का जादू युवाओं व महिलाओं को राहुल सिंह के पक्ष में गोलबंद करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह ने कहा कि डुमरांव की जनता बदलाव चाहती है, और यह बदलाव विकास, सुशासन और युवा नेतृत्व की दिशा में होगा। शिल्पी राज जैसी प्रतिभाशाली कलाकार का सहयोग हमारे अभियान में नई ऊर्जा भरेगा। पार्टी समर्थकों का कहना है कि जिस तरह शिल्पी राज के गीत लोगों के दिलों को छूते हैं, उसी तरह उनकी मौजूदगी भी जनता के दिलों में राहुल सिंह के लिए भरोसे की नई धुन बजा देगी। मंगलवार का दिन डुमरांव के लिए सिर्फ चुनावी नहीं, बल्कि संगीतमय उत्सव जैसा होगा।

अजय राय ने ट्रैक्टर चलाकर की बक्सर में शक्ति प्रदर्शन की शुरूआत, बोले अब बिहार में बदलाव तय है

- महागठबंधन प्रत्याशी संजय तिवारी के समर्थन में हुआ भव्य रोड शो, हजारों लोगों की मौजूदगी ने भरी नई ऊर्जा

केटी न्यूज/बक्सर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं स्टार प्रचारक अजय राय ने सोमवार को बक्सर विधानसभा क्षेत्र के रामपुर से किसान-मजदूरों के साथ ट्रैक्टर चलाकर भव्य रोड शो और जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की। सैकड़ों वाहनों और हजारों समर्थकों की उपस्थिति में यह जनसमर्थन यात्रा जब कृतपुरा, बक्सर पहुंची तो माहौल जनता का अधिकार, कांग्रेस सरकार और विकास और सम्मान, महागठबंधन के नाम जैसे नारों से गूंज उठा।

रोड शो के दौरान अजय राय ने जनता से महागठबंधन प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी ह्यमुन्ना तिवारीह्न को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता का यह अपार स्नेह और समर्थन बताता है कि बक्सर बदलाव के मूड में है। महागठबंधन न्याय, विकास और सम्मान की राजनीति लेकर आया है। अब जनता झूठ और छल से नहीं, अपने अधिकार और भविष्य के लिए मतदान करेगी।

अजय राय ने कहा कि महागठबंधन का हर कार्यकर्ता एकजुट है। हमारा लक्ष्य किसानों और युवाओं को उनका हक दिलाना और बक्सर को नई दिशा देना है। विधानसभा में जनता की आवाज गूंजेगी। इस अवसर पर उपस्थित भीड़ ने अजय राय का गर्मजोशी से स्वागत किया और जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। रोड शो ने पूरे क्षेत्र में राजनीतिक उत्साह और एकता की नई लहर पैदा कर दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने की। उन्होंने कहा कि बक्सर जिले की चारों विधानसभाओं में महागठबंधन के प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। डॉ. पांडे ने कहा कि हम सब राहुल गांधी के सिपाही हैं और उनके आदर्शों पर चलने के लिए संकल्पित हैं। इस मौके पर महागठबंधन के प्रमुख नेता संतोष पाठक, मटरू राय, प्रमुख जी, तुलसी कमकर, बबलू राय, राजीव चौबे, विश्वनाथ तिवारी, नारायण मिश्रा, अजय यादव, राजू यादव, संजय पांडे, संजय दुबे, निर्मला देवी, कुमकुम देवी, मनीष पटेल और अनिल उपाध्याय सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डुमरांव नहीं आ सका, लेकिन अजीत सिंह को जिताकर लिखें बदलाव की नई कहानी : तेजस्वी

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में डुमरांव सीट पर सियासी तापमान चरम पर है। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने महागठबंधन प्रत्याशी डॉ. अजीत कुमार सिंह के समर्थन में एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की है कि ह्लअब वक्त है बदलाव का, अबकी बार जनता अन्याय और झूठ के खिलाफ एकजुट होकर मतदान करे।ह्व

तेजस्वी ने कहा कि समयाभाव के कारण वे डुमरांव नहीं पहुंच सके, लेकिन उनका दिल हमेशा इस क्षेत्र की जनता के साथ धड़कता है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनते ही बिहार में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी और हर वर्ग को सम्मान का हक मिलेगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि अफवाहों में न पड़ें, एकजुट होकर बदलाव की लड़ाई को मजबूत करें और डॉ. अजीत कुमार सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएं। वहीं महागठबंधन प्रत्याशी डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कहा कि जब बिहार में महागठबंधन की सरकार थी, तब विकास की दिशा स्पष्ट दिख रही थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य में अपराध और अराजकता का बोलबाला बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वे गरीब, वंचित और भूमिहीनों की आवाज बनकर हमेशा अन्याय के खिलाफ डटे रहे हैं। अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि डुमरांव क्षेत्र के कई स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और शैक्षणिक संसाधन पुनर्स्थापित किए गए हैं।

तेजस्वी यादव की हुंकार, सरकारी नौकरी चाही की ना चाही पर गूंज उठा बक्सर : युवाओं में दिखा जबरदस्त जोश

■ **कुल्हड़िया और चक्की की सभाओं में उमड़ा जनसैलाब, तेजस्वी ने कहा हर घर से एक को सरकारी नौकरी देंगे, कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना तिवारी व राजद प्रत्याशी शंभू सिंह यादव के लिए मांगा समर्थन**

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक दो दिन पहले सोमवार को बक्सर जिला पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा दिखाई दिया। महागठबंधन के प्रमुख चेहरा और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जनसभाओं ने माहौल में नई गर्मी भर दी। तेजस्वी यादव ने आज बक्सर विधानसभा क्षेत्र के कुल्हड़िया खेल मैदान और ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के चक्की में दो विशाल जनसभाओं को संबोधित किया, जहां युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। मंच पर पहुंचते ही तेजस्वी ने अपनी खास शैली में भीड़ से सवाल दागा कि सरकारी नौकरी चाही की ना चाही, इस पर मैदान में मौजूद हजारों युवाओं ने एक स्वर में जवाब दिया कि एकदम चाही। यही सवाल-जवाब पूरे मैदान में गूंज गया और तेजस्वी ने भी जोश के साथ कहा कि तो तैयार रहिए, हमारी सरकार बनी तो हर घर से एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना हमारी पहली प्राथमिकता होगी।

युवाओं और किसानों पर केंद्रित भाषण

तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में बेरोजगारी, पलायन और किसानों की बदहाली जैसे मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने वर्षों तक वादे सुने, लेकिन अब वक्त है कि युवाओं को उनका हक मिले। उन्होंने कहा कि बिहार के लाखों युवा रोजगार के लिए बाहर जाने को मजबूर हैं। हमने वादा किया है कि सरकार बनते ही 10 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। नौजवान ही बिहार का भविष्य हैं और हम उन्हें मजबूती से खड़ा करेंगे।

बदलाव का वक्त आ गया है

तेजस्वी यादव ने कहा कि अब बिहार को नई दिशा देने का वक्त आ गया है। उन्होंने मंच से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अबकी बार जात-पात, धर्म या डर की राजनीति नहीं चलेगी। इस बार मुद्दा होगा नौकरी, शिक्षा और विकास का। जो सरकार युवाओं के भविष्य से खेल रही है, उसे अब घर बैठाना होगा। सभा के दौरान महागठबंधन समर्थकों की बड़ी भीड़ दिखाई दी। मंच के चारों ओर पार्टी झंडे, बैनर और पोस्टर लहरा रहे थे। महिलाएं, छात्र और किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे। तेजस्वी के मंच पर आते ही तेजस्वी यादव जिंदाबाद और बदलाव लाएंगे तेजस्वी के नारे से पूरा मैदान गूंज उठा।

कांग्रेस व राजद प्रत्याशी के लिए मांगा समर्थन

तेजस्वी यादव ने इस दौरान बक्सर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना तिवारी और राजपुर (सुरक्षित) से विश्वनाथ राम के पक्ष में वोट मांगा। जबकि चक्की में राजद प्रत्याशी शंभूनाथ सिंह के लिए उन्होंने कहा कि ये तीनों उम्मीदवार महागठबंधन की नीतियों और जनता के हक की लड़ाई लड़ने वाले लोग हैं। तेजस्वी ने कहा कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है, तो बक्सर जिले की जनता को रोजगार, शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

तेरह सभाओं में से एक रही बक्सर की ऐतिहासिक रैली

तेजस्वी यादव ने बताया कि सोमवार को उन्हें 13 से अधिक चुनावी सभाओं को संबोधित करना है। समय की कमी के कारण भाषण को संक्षिप्त रखते हुए उन्होंने कहा कि अब हर मतदाता की जिम्मेदारी है कि एक-एक वोट सही जगह जाए। आपका वोट सिर्फ उम्मीदवार के लिए नहीं, बल्कि अपने भविष्य के लिए है। तेजस्वी यादव के भाषण के बाद सभा स्थल पर उत्साह की लहर दौड़ गई। युवा समर्थकों ने झंडे लहराते हुए ह्लतेजस्वी यादव जिंदाबादह्व और ह्लहर घर नौकरी वाली सरकारह्व के नारे लगाए।कुल्हड़िया से लेकर चक्की तक तेजस्वी की जनसभाओं ने महागठबंधन के लिए माहौल को नई धार दी है। चुनाव से ठीक पहले बक्सर की यह भीड़ न सिर्फ तेजस्वी यादव के बढ़ते जनसमर्थन को दिखाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि बिहार का युवा अब रोजगार और बदलाव की राजनीति चाहता है।

एक नजर

मंगराव में फायरिंग कांड का आरोपी गुड्डू राय गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के मंगराव गांव में बीते 26 अक्टूबर को हुए फायरिंग कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीव रंजन उर्फ गुड्डू राय के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही झब्बू राय उर्फ शैलेंद्र राय के दरवाजे पर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फायरिंग में बदल गया। आरोप है कि गुड्डू राय सहित करीब एक दर्जन लोग दरवाजे पर चढ़कर जान से मारने की धमकी देते हुए पिस्टल से फायरिंग की थी। इस दौरान पीड़ित पक्ष ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया था, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की। झब्बू राय की शिकायत पर एक नवंबर को गुड्डू राय, शुभम राय, आदित्य राय, अंशु राय, छोटे राय सहित चार अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गुड्डू राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वीडियो फुटेज और प्राथमिकी के आधार पर अन्य आरोपियों की भी पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है।

डुमरांव में दिखा बसपा का पावर शो, ददन यादव पर बरसे फूल, 201 किलो लड्डू से किया तौल

डुमरांव। डुमरांव विधानसभा चुनाव में सोमवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशी एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ददन यादव ने अपनी ह्लजनता दर्शन यात्राह्व के माध्यम से चुनावी माहौल को पूरी तरह गरमा दिया। यह यात्रा किसी राजनीतिक रैली से अधिक जनशक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो गई, जहां समर्थकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। लालगंज कड़वी के पास जैसे ही ददन यादव का काफिला पहुंचा, समर्थकों की भीड़ ने ह्लजय ददन, तय ददनह्व के नारों से पूरा इलाका गूंजा दिया। मंच पर पहुंचते ही कार्यकताओं ने जेसीबी मशीन से उन पर फूलों की बारिश कर स्वागत किया। इसके बाद परंपरागत अंदाज में उन्हें 201 किलो लड्डू से तराजू पर तौला गया, जो पूरे कार्यक्रम की सबसे आकर्षक झलक बन गई। यह अनोखा सम्मान पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस दौरान डॉ. जयप्रकाश सहित कई स्थानीय नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं और हजारों समर्थकों ने ददन यादव के प्रति एकजुटता दिखाई। यात्रा शहर के कई प्रमुख मार्गों जैसे स्टेशन रोड, गांधी चौक, राजगंज, और किला मोड़ से होती हुई आगे बढ़ी। जगह-जगह जनता ने उनका स्वागत माल्यार्पण, पुष्पवर्षा और ढोल-नगाड़ों की थाप पर किया। उत्साह से भरे माहौल के बीच भावुक ददन यादव ने कहा कि यह जनता का स्नेह और विश्वास ही मेरी ताकत है। जब मैं निर्दलीय था, तब भी डुमरांव की जनता ने मुझे विधानसभा भेजा था। आज वही जनता फिर प्रेम बरसा रही है। मेरी राजनीति का एक ही उद्देश्य है, जनसेवा। उन्होंने कहा कि डुमरांव में हर वर्ग, हर तबके का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है और वे इस बार भी मजबूती से चुनावी मैदान में डटे हैं। ददन यादव ने कहा कि बसपा का एजेंडा सम्मान, विकास और समान अवसरह्व पर आधारित है, और जनता अब बदलाव के मूड में है। यात्रा के दौरान समर्थकों में जोश इस कदर था कि कई जगह जुलूस का माहौल उत्सव में बदल गया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। बसपा कैंप में इसे जनता के रुझान का संकेत माना जा रहा है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ददन यादव की यह यात्रा डुमरांव में चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि उन्होंने भीड़ और जोश दोनों से यह संदेश दे दिया कि मुकाबले में बसपा की मौजूदगी मजबूत है।

डुमरांव को इस बार मिलेगी लाल गुलामी से मुक्ति : प्रो. अखिलेश दुबे

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर एनडीए की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. अखिलेश दुबे ने कहा कि डुमरांव की जनता इस बार लाल गुलामी से मुक्ति दिलाने को तैयार है। उन्होंने विश्वास जताया कि डुमरांव से जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह भारी मतों से विजयी होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास एजेंडे को मजबूती देंगे।प्रो. दुबे ने बताया कि पिछले दो दिनों में मगध और शाहाबाद क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा इलाकों में आयोजित एनडीए की लोकमत परिष्कार बैठकें यह साबित कर

चुकी हैं कि जनता अब जात-पात और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में मतदान का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि राहुल सिंह के पक्ष में अभूतपूर्व जनसमर्थन उमड़ रहा है और हर वर्ग के लोग ह्लविकास, सुशासन और स्थिर सरकारह्व के नारे के साथ एकजुट हैं।इस अवसर पर भाजपा संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुंद, राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने जो विकास की गति पकड़ी है, उसे बिहार में बनाए रखने के लिए डुमरांव में राहुल सिंह की जीत आवश्यक है। प्रो. दुबे ने कहा कि डुमरांव की जनता इस बार तय कर चुकी है कि झूठे वादों और लाल राजनीति की समाप्ति का समय आ गया है। हर मोहल्ले, हर गांव में एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के समर्थन में लहर चल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 6 नवंबर के मतदान में डुमरांव विधानसभा से राहुल सिंह की ऐतिहासिक जीत के साथ पूरा बक्सर

डुमरांव में कल पहुंचेगा जनसुराज का कारवां, प्रशांत किशोर करेंगे जनता से सीधी बात

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र मंगलवार को एक बार फिर से राजनीतिक हलचल का केंद्र बनने वाला है। जनसुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर कल डुमरांव पहुंचेंगे, जहां वे लोगों से सीधे संवाद करेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10 बजे पुराने भोजपुर अंडरपास के पास स्वागत समारोह से होगी, जिसमें बड़ी संख्या में जनसुराज कार्यकताओं और समर्थकों के जुटने की संभावना है। स्वागत के बाद प्रशांत किशोर का काफिला शंकर सिनेमा हॉल मोड़ से होते हुए 10:30 बजे राज अस्पताल पहुंचेगा, जहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा में वे बिहार की राजनीति में वैकल्पिक सोच और जनसुराज के विकास मॉडल पर विस्तार से चर्चा करेंगे। साथ ही, वे डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से जनसुराज प्रत्याशी शिवांग विजय सिंह के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगे। अपने भाषण में प्रशांत किशोर स्थानीय मुद्दों सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर फोकस करने वाले हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा जनसुराज अभियान को नई ऊर्जा देगा और मतदाताओं के बीच संगठन की पकड़ को और मजबूत करेगा।

डुमरांव की सड़कों के गड्ढों में विकास की पोल जनता अब सबक सिखाने को तैयार : राहुल सिंह

■ **एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी ने कहा डुमरांव को पांच साल में एक दशक पीछे धकेल दिया गया**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा सीट पर चुनावी सरगर्मी के बीच एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने सोमवार को क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क कर जनता से आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता इस बार ह्लविकासह्व और ह्लविश्वासह्व दोनों के नाम पर मतदान करेगी, क्योंकि बीते पांच वर्षों में डुमरांव को उसके ही प्रतिनिधि ने एक दशक पीछे धकेल दिया है।

राहुल सिंह ने कहा कि आज डुमरांव की सड़कों की स्थिति यह बताने के लिए काफी है कि यहां विकास कितना हुआ है। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि ह्लसड़कें अब आईना नहीं, गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। हर दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और जनता परेशान है, लेकिन विधायक फर्जी रिपोर्ट कार्ड दिखाकर खुद को विकासपुरुष बता रहे हैं।

उन्होंने निवर्तमान विधायक पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि वे अपने रिपोर्ट कार्ड में 114 सड़कों की स्वीकृति का दावा करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। स्टेशन रोड का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह सड़क डुमरांव की लाइफलाइन मानी जाती है, लेकिन आज यह जानलेवा रास्ता बन चुकी है। इतनी जगह गड्ढे हैं कि समझ नहीं आता सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क।

राहुल सिंह ने कहा कि जनता अब सब कुछ समझ चुकी है और इस बार ह्लबड़बोले विधायकह्व को सबक सिखाकर एनडीए प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी। उन्होंने कहा कि मैं यहां सिर्फ चुनाव लड़ने नहीं, बल्कि डुमरांव का स्थायी निवासी बनकर जनता की सेवा करने आया हूं। बचपन डुमरांव में बीता है, अब जीवन भी यहीं बिताना चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही डुमरांव का असली विकास संभव है। जनता में जो जोश और समर्थन दिख रहा है, वह इस बात का संकेत है कि अबकी बार डुमरांव विकास की राह पर लौटेगा और एनडीए के झंडे तले नए युग की शुरूआत होगी।

सोमवार को राहुल सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर लोगों से मुलाकात की और कहा कि डुमरांव का प्यार और सम्मान मैं ब्याज समेत लौटाऊंगा।

हम जुमलेबाज नहीं, जो कहते हैं उसे करके दिखाते हैं : नितिन गडकरी

एजेंसी/पटना

छपरा के जलालपुर पहुंचे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का एनडीए कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। नितिन गडकरी ने एनडीए प्रत्याशी को वोट देने की अपील की। कहा कि यह देश किसानों का देश है और हम किसानों की हित में काम कर रहे हैं। विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहां कि समाज में अनेकों नेता हुए वे जुमलेबाजी करते हैं ,हम वह नहीं हैं..जो कहते हैं उसे करके दिखाते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में पहले सड़कों की स्थिति क्या थी यह किसी से छिपी नहीं नही है। बिहार में हमने पुल और सड़क निर्माण में अपनी भूमिका निभाई। जो आज आप सबके सामने हैं, उन्होंने सभा में मंच पर बैठे सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल से कहा की सांसद साहब आप यहां से योजनाओं को दीजिए हम योजनाओं को करते-करते नहीं थकेंगे लेकिन आप योजनाओं की लिस्ट बनाकर थक जाइएगा । उन्होंने यह भी कहा कि हमारे पास पैसे की कमी नहीं हमारे कोटे में पैसा बहुत है हमारे कोटे में कमी सिर्फ एक चीज की है तो वह योजना की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने वाले समय के लिए किसानों के हित में कार्य कर रही है और किसानों के लिए हम लोग अब किसानों की फसल से हम लोग इथेनॉल बनाने का काम कर रहे हैं जिससे किसानों को भी अब रोजगार दिया जा रहा है। उन्होंने जनसभा में मौजूद जनता से रणधीर सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की और वहां उमड़ी लोगों की भीख देखते हुए नितिन गडकरी ने कहा ऐसा लग रहा है मानो अब कोई संशय ही नहीं रणधीर सिंह चुनाव जीत रहे हैं कोई दो राय नहीं है 101 % मेरी गारंटी है। आप सभी को एनडीए को समर्थन कर यहां से एनडीए के प्रत्याशी रणधीर सिंह को वोट कर जिताएं ताकि बिहार में भी एनडीए की सरकार बने और ज्यादा से ज्यादा विकास किया जा सके ।

मुजफ्फरपुर ने रचा इतिहास : 21.60 लाख लोगों ने एक साथ ली मतदान की शपथ, बना नया रिकॉर्ड

गांव-गांव में गूंजा लोकतंत्र का संदेश

प्रत्येक प्रखंड, पंचायत, विद्यालय, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाड़ी केंद्र, जीविका समूह और ग्राम संगठन में इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। आईसीडीएस की सेविका-सहायिकाओं और जीविका दीदियों ने अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता शपथ सहित कई स्वीप गतिविधियां आयोजित की। गांव-गांव में युवाओं ने गीत, नाटक और नारों के माध्यम से लोगों से मतदान करने की अपील की। ह्लहर बूथ पर पहुंचे मतदाता, बने मजबूत लोकतंत्र हमाराह्व जैसे नारों से पूरा जिला गूंज उठा। पुरुषों के साथ महिलाओं की भागीदारी तथा उनका उत्साह एवं उमंग जन-जन का आंदोलन बना दिया।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज करने का प्रयास

जिले भर में हुए इस वृहद आयोजन और एक साथ इतने बड़े पैमाने पर शपथ ग्रहण को देखते हुए ह्लइंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डह्व से संपर्क स्थापित किया गया है। यदि यह रिकॉर्ड दर्ज होता है, तो मुजफ्फरपुर जिला मतदाता जागरूकता अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर एक अद्वितीय पहचान प्राप्त करेगा।

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर मुजफ्फरपुर जिला इस बार मतदाता जागरूकता अभियान के मामले में पूरे प्रदेश में मिसाल कायम कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिलाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन के कुशल प्रबंधन, दूरदृष्टि और नेतृत्व में जिले भर में एक ऐतिहासिक ह्लमेगा स्वीप इवेंटह्व का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया, जिसने लोकतंत्र के प्रति नागरिकों के उत्साह और जिम्मेदारी की नई मिसाल पेश की। इस महाअभियान के अंतर्गत जिले भर के 14,138 लोकेशनों पर एक साथ सुबह 9:00 बजे लोगों ने एक स्वर में लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करने और मतदान करने की शपथ ली। इस ऐतिहासिक क्षण में कुल 21,60,249 लोगों की सहभागिता दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे बड़ा और प्रेरणादायक सामूहिक संकल्प कार्यक्रम माना जा रहा है। इस कार्यक्रम को एक उत्सव के रूप में जिला मुख्यालय से लेकर सबसे सुदूर ग्रामीण इलाकों में मतदाता जागरूकता की लहर फैल गई। इस आयोजन में जीविका दीदियों, आईसीडीएस सेविका-सहायिका, स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों, स्कूली बच्चों, सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों, किसानों, व्यापारियों, युवाओं, भावी मतदाताओं तथा आम नागरिकों—पुरुषों और महिलाओं—सभी की सक्रिय भागीदारी रही। प्रत्येक पंचायत, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, जीविका ग्राम संगठन, स्वयंसेवी संस्था और विभिन्न विभागों के सहयोग से एक ही समय पर शपथ कार्यक्रम आयोजित हुआ। इससे लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और सहभागिता का ऐसा वातावरण बना जिसने पूरे जिले को लोकतांत्रिक ऊर्जा से भर दिया। मेगा स्वीप इवेंट केवल शपथ तक सीमित नहीं था, बल्कि इसे एक सांस्कृतिक पर्व का रूप दिया गया। हर जगह गायन, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, नारा लेखन, रंगोली, फैंसी ड्रेस शो, फ्लैश मॉब जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों ने मतदाता जागरूकता को मनोरंजन के साथ जोड़कर एक गहरा संदेश दिया—ह्लमतदान केवल अधिकार नहीं, यह नागरिक कर्तव्य है।ह्व मतदाता जागरूकता पर आधारित गीतों, नाटकों और नारों से वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सभी ह्लपहले मतदान, फिर जलपानह्व जैसे नारों के साथ लोकतंत्र की मजबूती का संदेश देते नजर आए। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शहीद खुदीराम बोस स्टेडियम, मुजफ्फरपुर में आयोजित हुआ। यहां एक विशाल जनसमूह की उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन ने लोगों को मतदान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी प्रेक्षकगण, निवार्ची पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। श्री सेन ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लमुजफ्फरपुर जिला 6 नवंबर को मतदान करेगा। इस दिन हर नागरिक को चाहिए कि वह अपने बूथ पर जाकर मतदान करे और लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाये। इसके उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी, प्रेक्षकगण एवं पदाधिकारियों ने उन्मुक्त गगन में गुब्बारे छोड़कर लोकतंत्र की मजबूती, शांति, सद्भावना का संदेश दिया।

नोनहर में पैक्स की बैठक आयोजित की गई, धान अधिप्राप्ति पर चर्चा की गई

केटी न्यूज/रोहतास

पैक्स को क्रियाशील और धान अधिप्राप्ति में तेजी लाने के लिए सोमवार को नोनहर पैक्स अध्यक्ष ने सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में पैक्स अध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि किसानों के हित में अधिप्राप्ति कार्य में प्रगति आवश्यक है। उन्होंने सभी सदस्यों की समस्याओं को सुनने के बाद पैक्स को क्रियाशील कर धान अधिप्राप्ति शुरू करने को कहा। वहीं, गोदाम की समस्या के संबंध में पैक्स अध्यक्ष ने बताया कि 15 नवंबर से धान अधिप्राप्ति का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके लिए सभी सदस्यों को आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान पहले पैक्स में पंजीकरण करवाएंगे। पंजीकरण के बाद, किसान निर्धारित तिथि पर अपने धान को खरीद केंद्र पर ले आएंगे, जहां गुणवत्ता की जांच की जाएगी। फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर धान खरीदा जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया सरकारी कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन की जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले, कृषि विभाग के पोर्टल पर जाएंगे और किसान पंजीकरण संख्या प्राप्त करेंगे। यदि पहले से ही किसान पंजीकरण संख्या है, तो सीधे खरीद के लिए आवेदन करेंगे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत जरूरी दस्तावेजों (जैसे आय, भूमि विवरण) के साथ आवेदन पत्र भरकर जमा करेंगे। बैठक में सदस्य अजय तिवारी, हरेंद्र सिंह, गिरी मियां, रेणु देवी, सीमा देवी, वीरेंद्र राजपूत, सुरेंद्र चौधरी और प्रबंधक सहित सभी सदस्य गण की उपस्थिति थे।

बेतिया में मिनीगन फैक्ट्री का खुलासा, हथियार और उपकरण के साथ बाप-बेटा गिरफ्तार

एजेंसी/बेतिया

बेतिया पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-1) विवेक दीप के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने लौरिया थाना क्षेत्र के डुमरा देवराज गांव में चल रहे एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैऔर बड़ी मात्रा में हथियार और निर्माण उपकरण जब्त किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शंकर शर्मा और अजय शर्मा अपने घर में अवैध रूप से देशी पिस्तौल और कट्टा बनाकर बेचने का काम करता हैं। सूचना की पुष्टि के बाद डीएसपी विवेक दीप के नेतृत्व में सदर, नरकटियागंज, रामनगर, बगहा, लौरिया, गोवर्धना थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई (उक्ष्व) की संयुक्त टीम बनाई गई। 03 नवंबर की देर रात की गई इस संयुक्त छापेमारी में पुलिस ने शंकर शर्मा (पिता स्व. बिंदेश्वरी शर्मा) और अजय शर्मा (पिता शंकर शर्मा) को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी कट्टा, एक एकनाली बंदूक, एक अर्द्धनिर्मित पिस्टल, पाँच जिंदा कारतूस, एक मिसफायर कारतूस, एक खोखा, एक पिस्टल मैगजीन सहित पिस्टल के कई हिस्से (जैसे हथौड़ी, ट्रिगर, बैरल, स्प्रिंग गाइड आदि) बरामद किए। साथ ही, हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले 31 उपकरणों का पूरा सेट भी मिला, जिनमें रेती, हथौड़ी, ड्रिल, गेज, फ्लायर, स्क्रूड्राइवर और क्लिनिंग रॉड जैसी वस्तुएँ शामिल थीं। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर लौरिया थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह गिरोह लंबे समय से इलाके में सक्रिय था और हथियार निर्माण के उपकरण बाहर से मंगाए जाते थे। इस कार्रवाई को जिले में अवैध हथियार कारोबार पर बड़ी सफलता माना जा रहा है।

एक नजर

बंद मकान का ताला तोड़ नगदी जेवर सहित एक लाख की हुई चोरी, प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज शहर के सिलौटा मोहल्ले में एक बंद मकान का ताला तोड़ नगदी, जेवर सहित एक लाख रुपये की संपत्ति की चोरी कर ली गई है। इस संबंध में शनिवार को गृहस्वामी द्वारा बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। नटवार थाना क्षेत्र के विश्वंभरपुर निवासी बृजनंदन कुमार सिंह पिता स्व. वीर बहादुर सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि पिछले दिनों बिक्रमगंज शहर के सिलौटा में स्थित अपने मकान में ताला बंद कर सपरिवार अपने गांव नटवार थाना क्षेत्र के विश्वंभरपुर चला गया था। शनिवार को पड़ोसी एक महिला ने फोन करके बताया कि आपके मकान का मेन गेट खुला हुआ है। सूचना पाकर मैं वहां पहुंचा तो देखा कि मेरे मकान के मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। अंदर प्रवेश किया तो सभी कमरे का ताला तोड़ दिया गया है। कमरे में स्थित गोदरेज भी खुला है। गोदरेज में रखे 70 हजार रुपया नगदी, कपड़ा और जेवर गायब है। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये होगी। इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारी वहां उपस्थित होकर छानबीन किये। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना पर पुलिस वहां पहुंच कर जाँच पड़ताल की। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विद्युत कंजूमर नंबर अपटूडेट करने के नाम पर किया 90 हजार रुपये की ठगी

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के धावां के एक व्यक्ति से विद्युत कंजूमर नंबर अपटूडेट करने के नाम पर साइबर ठग ने 90 हजार रुपए की ठगी कर ली है। इस संबंध में पीड़ित द्वारा शुक्रवार को बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। धावां निवासी राजेश कुमार उम्र 35 वर्ष पिता रविन्द्र सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि बुधवार को शाम में उनके फोन नम्बर 89122685 186 पर 8582928945 नंबर से फोन आया। जब उसने फोन उठाया तो उधर से उधर से बोला कि बिजली आपूर्ति शाखा, पटना से बोल रहा हूँ आपका कन्जुमर नम्बर 19108689656 है जो अपडेट करना है। उसकी बातों पर विश्वास कर लिया। उसके बाद उनके वाट्सप नम्बर 9122685186 पर एक लिंक इलेक्ट्रीसिटी बिल अपडेट 01-ए.पी. के आया तो उसके बाद बिजली मीटर रिचार्य करने के लिए कहा तो मैं एक सौ रुपया का रिचार्ज कर दिया। फिर मेरे खाता से जो पंजाब नेशनल बैंक शाखा बिक्रमगंज में है से 30 हजार रुपया कट गया। अभी मैं कुछ समझ पाता कि फिर 1 मिनट के बाद हीं 60 हजार रुपया कट गया। उसके बाद वे अपने खाते को बंद कराया और ऑनलाइन कम्पलेन दर्ज कराया। अगले दिन गुरुवार को बैंक गया तो बैंक मैनेजर ने पहले थाने में एफ आई आर दर्ज कराने को कहा। उसके बाद शुक्रवार को थाना पहुंच कर एफ आई आर दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर साइवर क्राइम विभाग को सौप दिया गया है।

चिराग-उपेन्द्र और नितिन गडकरी की सभा आज तरारी में विशाल प्रशांत के लिए एनडीए का महाजुटान

आरा। तरारी विधानसभा क्षेत्र के एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत के समर्थन में सोमवार को सिकरहटा उच्च विद्यालय स्थित खेल मैदान में राजग नेताओं की विशाल जनसभा जन सभा आयोजित है। जिसमे केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, रालोमो के अध्यक्ष सह सांसद उपेन्द्र कुशवाहा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं सांसद डॉ. भीम सिंह चन्द्रवंशी भाग लेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पूर्व विधायक सुनील पांडेय ने क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर लोगों को कार्यक्रम में आने को निमंत्रण दिया। भाजपा नेत्री पुष्पा चौहान, मदन स्नेही, रामपुलिस पासवान, अंकित चंद्रवंशी, सोनू पांडेय, गुड्डू प्रसाद, राजकुमार कुशवाहा समेत कई नेताओं ने विशाल प्रशांत के समर्थन में लोगों से कमल के फूल पर मत देने की अपील के साथ राजग नेताओं ने बताया कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत को लोग जात पात से ऊपर उठकर क्षेत्र के विकास के लिए अपना आशीर्वाद दे रहे हैं।

बिहार के पश्चिम चंपारण में 2 पक्षों के बीच जमकर मारपीट, एक युवक गंभीर रूप से घायल

पश्चिम चंपारण। पश्चिम चंपारण के रामनगर नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 ओहमी कंपाउंड में सोमवार सुबह एक पुराना भूमि विवाद इतना भयानक हो गया कि दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई है। इस मारपीट में स्थानीय निवासी प्रहलाद गुप्ता के बेटे अजय गुप्ता को गंभीर चोटें आईं हैं। जानकारी के मुताबिक पहले इन लोगों के बीच कहासुनी हुई, फिर बात हाथापाई तक पहुंची और देखते-देखते लाठियां चलने लगीं। अजय को सिर और शरीर पर गहरी चोटें लगीं हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां ड्यूटी डॉक्टर एस. काजिम ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन हालत गंभीर देखकर उन्हें बेतिया ऋट्टउल रेफर कर दिया है। इस घटना की सूचना मिलते ही रामनगर थाना प्रभारी दीपक कुमार पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया, साक्ष्य जुटाए और गवाहों से पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक जांच में साफ हुआ है कि मामला सालों पुराने भूमि विवाद का है। दोनों पक्षों के बीच पहले भी तनाव रहता था। थाना प्रभारी ने कहा, "जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। कोई बख्शा नहीं जाएगा। उघटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। लोग डरे हुए हैं कि कहीं बात और न बढ़ जाए। पुलिस लगातार नजर रख रही है और गांव में गश्त बढ़ा दी गई है। अजय की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टर पूरी निगरानी कर रहे हैं। परिवार वाले सदमे में हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं।

महागठबंधन सरकार बनी तो कुंवर सिंह किला बनेगा पर्यटन स्थल, भोजपुर में तेजस्वी यादव का वादा

केटी न्यूज/आरा

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को जगदीशपुर शारदा ब्रजराज हाई स्कूल खेल मैदान में आयोजित राजद उम्मीदवार के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार बनते ही जगदीशपुर में बाबू वीर कुंवर सिंह किला को पर्यटन स्थल का दर्जा दिया जाएगा। साथ ही जगदीशपुर में डिग्री कॉलेज की स्थापना और एक भव्य स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। तेजस्वी यादव ने भोजपुरी में जनता से कहा, ह्लअबकी एक मौका मिली नू, सरकार बदले के बा नू, बिहार में नौकरी वाला सरकार चाही नू, बीस साल वाला पुराना सरकार बदले के बा नू। तो आपलोग महागठबंधन को समर्थन करिए और वोट दीजिए।उन्होने कहा कि बिहार मे नौकरी वाला सरकार चाहिए। हमने 17 महीने के कार्यकाल मे 5 लाख युवाओ नौकरी देने का काम किया है।बिहार को विकसित राज्य बनाया जाएगा। उन्होंने वादा किया कि हमारी सरकार बनते ही जिन घरों में एक भी सरकारी नौकरी नहीं है, वहां एक-एक नौकरी दी जाएगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए तेजस्वी ने कहा कि गुजरात में वे फैक्ट्री लगाते हैं और वोट चाहिए बिहार से।उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनते ही बिहार को विकसित राज्य बनाया जाएगा ताकि बिहार के युवाओं को दवाई, कमाई और पढ़ाई के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि बिहार में फैक्ट्री,कल कारखाने और उद्योग धंधे स्थापित कर रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। किसानों का बिजली बिल माफ किया जाएगा और उनकी आय दोगुनी करने के लिए नई योजनाएं शुरू होंगी। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन की सरकार सभी जाति और धर्म के लोगों को साथ लेकर चलेगी ताकि बिहार सर्वांगीण विकास की राह पर आगे बढ़े।

रोहतास में सड़क हादसे में पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत बिहार पुलिस में ट्रेनी सिपाही थे मृतक बेटा जितेंद्र शर्मा

एजेंसी/रोहतास

रोहतास के सासाराम में बड़ी खबर आ रही है। जहां धौड़ाढ थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर ताराचंडी के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई है। मृतक पुत्र जितेंद्र शर्मा बिहार पुलिस में ट्रेनी सिपाही थे। वे मुजफ्फरपुर में पोस्टेड थे। फिलहाल नेपाल के सीमावर्ती इलाके में उनकी ट्रेनिंग चल रही थी। कल ही वो छुट्टी लेकर अपने गांव भानस ओपी के मचखोरा मठिया गांव आए हुए थे। सोमवार को अपने पिता गणेश शर्मा का इलाज कराने डेहरी ऑन सोन गये हुए थे। डेहरी से अपने 65 वर्षीय पिता का इलाज कराकर बाइक से जब लौट रहे थे, तब सासाराम के ताराचंडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गये। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेजा है। बताया जाता है कि जितेंद्र शर्मा का हाल में ही बिहार पुलिस में नौकरी लगी थी। फिलहाल वह ट्रेनिंग पर था और अपने पिता 65 वर्षीय गणेश शर्मा का इलाज करा कर बाइक से लौट रहे थे। इसी बीच हादसे का शिकार हो गये। इस हादसे में पिता पुत्र दोनों की दर्दनाक मौत हो गयी।

स्मृति ईरानी ने मुंगेर में किया भव्य रोड शो, मोदी सरकार के नारे से गूंजा शहर

एजेंसी। पटना

मुंगेर विधानसभा चुनाव में आज भाजपा के प्रचार को बड़ा चेहरा मिला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की कद्दावर नेत्री स्मृति ईरानी ने मुंगेर में भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो के दौरान जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत हुआ।मुंगेर में आज भाजपा नेत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए भव्य रोड शो किया।वह हवाई अड्डा पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से कोणार्क सिनेमा रोड तक आईं, जहां से खुली जिप्सी में बैठकर शहर का भ्रमण किया। रोड शो में भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय के साथ बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता और बाइक सवार युवा कार्यकर्ता शामिल थे। रास्ते में कई स्थानों पर लोगों ने फूल बरसाकर और माल्यार्पण कर स्मृति ईरानी का स्वागत किया। स्मृति ईरानी को देखने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखने को मिला। उन्होंने लोगों से भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय के पक्ष में मतदान करने की अपील की।रोड शो के दौरान ह्लफिर एक बार, मोदी सरकारह्व और ह्लभाजपा विजयी होह्व के नारे गूंजते रहे।

चुनावी सभा में सीएम नीतीश ने दिलाई लालू राज की याद, कहा- इनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भागलपुर में चुनावी सभा की। सोमवार दोपहर कहलगांव के गोराडीह प्रखण्ड में उत्क्रमित उच्च विद्यालय मैदान, मुक्तापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा लालू-राबड़ी पर हमला बोलते हुए कहा कि 15 साल की सरकार में इनलोगों ने कोई काम नहीं किया। जब खुद मुख्यमंत्री पद से हटे तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना देना। उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने केवल अपने परिवार के लिए काम किया है। बाकी बिहारवासियों के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने दावा किया एनडीए सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित सबके विकास के लिए काम हुआ है।सीएम नीतीश यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले की सरकार में कानून व्यवस्था इतनी खराब थी कि शाम होते ही लोग घरों में सिमट जाते थे, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश में कई नए स्कूल खुलवाए हैं, और बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 2,58,000 शिक्षकों की भर्ती कराई गई है। साथ ही छात्रों को पोशाक व साइकिल योजना की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अलावा, सीएम नीतीश कुमार ने महिला आरक्षण, रोजगार, सात निश्चय योजना लाने की भी बात कही।

स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त दवा और इलाज की सुविधा शुरू की गई

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त दवा और इलाज की सुविधा शुरू की गई। जोकि गरीबों के काफी हित में सरकार ने काम किया है। जिससे अब हर महीने औसतन 11,600 मरीज इलाज कराने के लिए आते हैं, जबकि पहले यहां नाम मात्र के मरीज आते थे। उन्होंने दावा किया कि इन कदमों से बिहार की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था कहीं बेहतर हुई है। बिहार में सड़कों की हालत काफी बदहाल थी। जिसे सरकार ने लोगों के घर तक और अच्छी सड़क की व्यवस्था कराई। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में पेयजल की काफी समस्या थी। नल जल योजना के तहत हर घरों तक पेयजल की व्यवस्था की गई।

मुफ्त बिजली, वृद्धा पेंशन समेत कई सौगात अब तक दिए

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार वासियों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली, वृद्धावस्था पेंशन 400 के बढ़कर 1100 दिए जा रहे हैं। व्यवसाय के लिए करीब-करीब हर महिलाओं को जीविका के माध्यम से 10000 उनके खाते में सीधे दिया गया। बिहार के लगभग जिलों में उद्योग धंधे की व्यवस्था की गई। लेकिन, पूर्व की सरकार में बिहार में ही बिहारवासी सुरक्षित नहीं थे। शाम होते ही महिलाएं घर से बाहर निकलना अपने आप को सुरक्षित नहीं समझती थी। लेकिन हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए 35 फीसदी आरक्षण दिया। महिलाएं मार्केट हो या बाजार हर वक्त अपने काम धंधे के लिए आराम से आती और जाती हैं। बिहार राज्य विकास की पटरी पर है। हमारी सरकार फिर बनते हैं बिहार लगातार विकास की ऊंचाइयों को छूएगी।

एक नजर

पटना मेट्रो प्रोजेक्ट ऑफिस में लगी भीषण आग, कई दस्तावेज जलकर हुए खाक: शॉर्ट सर्किट की आशंका

पटना। पटना में मेट्रो प्रोजेक्ट के अस्थाई कार्यालय में रविवार शाम अचानक आग लग गई। घटना मोइनुल हक स्टेडियम परिसर के गेट नंबर 1 कार्यालय में हुई। जानकारी के अनुसार, आग लगने के समय कार्यालय में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फायर अफसर गयानंद सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही पटना सिटी, कंकड़बाग और लोदीपुर से लगभग एक दर्जन फायर ब्रिगेड की यूनिट मौके पर पहुंचीं। दमकल की 10 गाड़ियों और करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बहादुरपुर थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि मेट्रो कार्यालय में आग लगी थी, लेकिन किसी तरह की लिखित सूचना थाने में अभी तक नहीं दी गई है। प्रशासन ने इस घटना की जांच का आदेश दिया है और ऑफिस में लगी आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। बताया गया कि घटना के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पटना में रोड शो था, जिसके चलते विभाग पहले से ही अलर्ट मोड पर था। इसी वजह से दमकल और सुरक्षा विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर जल्दी काबू पाया।

नई दिल्ली से दरभंगा जा रही ट्रेन के पहिए में लगी आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

दरभंगा। बिहार के दरभंगा से आ रही है। सोमवार की सुबह नई दिल्ली से दरभंगा जा रही क्लोन स्पेशल 02570 ट्रेन के बी 7 एसी थ्री के पहिया में अचानक आग लग गई। यह घटना बिहार के सारण जिले के दाउदपुर स्टेशन पर हुई। आग लगने के बाद ट्रेन के स्टेशन पर ठहरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी मिली है कि ट्रेन डाउन ट्रेक से जा रही थी और इसी दौरान यह घटना घटी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आग किसी तकनीकी कारण या पहिए के ओवरहीट होने के कारण लग सकती है। हालांकि ट्रेन स्टाफ और स्टेशन कर्मियों ने तुरंत आपातकालीन कार्रवाई करते हुए आग को नियंत्रित करने की कोशिश की। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को रोककर यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। घटना के कारण कुछ समय के लिए ट्रैक पर आंशिक ब्लॉकेज देखा गया, जिससे अन्य ट्रेन सेवाओं में हल्का विलंब हुआ।

हाजीपुर के नाईपर में लग्जरी कार और ट्रक से टक्कर, 3 लोगों की मौत

वैशाली। वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के नाईपर के पास सोमवार तड़के करीब 4 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई है, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जंदाहा से हाजीपुर जा रही तेज रफ्तार लग्जरी कार सड़क किनारे गलत दिशा में खड़ी 16 पहिए वाली ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सभी मृतक और घायल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान चैनल के एग्जिट पोल के लिए काम करने आए थे। हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। औद्योगिक थाना पुलिस ने क्रेन की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया, जबकि घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया है कि हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और घायलों की स्थिति फिलहाल नाजुक बनी हुई है।

बिहार चुनाव के बीच करोड़ों की लागत से बना पुल धंसा कांग्रेस बोली- जनता सब देख रही है, अब वोट से चोट करेगी

एजेंसी। पटना

फारबिसगंज के केवलाशी गांव में परमान नदी पर बने 4 करोड़ रुपये लागत के कौआचार पुल का एक स्पैन धंस गया; कांग्रेस ने नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार और निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठाया। बिहार के अररिया जिले के फारबिसगंज प्रखंड के केवलाशी गांव में परमान नदी पर बना कौआचार पुल का एक स्पैन नदी में धंस गया है। इस हादसे के बाद फारबिसगंज, पटेगना और आसपास के कई गांवों का संपर्क टूट गया है। पहले चरण के मतदान से ठीक पहले पुल धंसने की इस घटना ने राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी है। ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि परमान नदी पर लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से चार स्पैन का पुल बनाया गया था, जिसमें से एक पिलर नदी में धंस गया है। पुल के ध्वस्त होने से न केवल आवागमन बाधित हुआ है, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। यह पुल वर्ष 2019 में निर्मित किया गया था और तब से यह क्षेत्र के लोगों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग रहा है। करोड़ों की लागत से बने पुल का पाया धंस जाने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है, वहीं विपक्ष ने इसे भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया है। कांग्रेस पार्टी ने इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला है। पार्टी ने अपने एक्स हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा ह्लनीतीश-मोदी का भ्रष्टाचार देख लीजिए! 2022 में करोड़ों रुपये लगाकर अररिया में एक पुल बना और अब यह ढह गया। तीन साल भी पुल नहीं चल पाया। यह ठऊअ का फर्जी विकास है। जनता सब देख रही है, अब वोट से चोट करेगी। बता दें कि इससे पहले 18 जून 2024 को अररिया के सिकटी प्रखंड में 12 करोड़ रुपये की लागत से बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले ही गिर गया था। अब दोबारा तीन साल के भीतर ही एक और पुल धंसने से निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं।

बिहीया में आरजेडी और बीजेपी समर्थकों के बीच मारपीट, पांच लोग घायल

एजेंसी। पटना

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में रविवार रात को एक छोटी सी बात ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया। राजद विधायक और प्रत्याशी राहुल तिवारी के जनसंपर्क के दौरान मां काली मंदिर के पास मंदिर की लाइट बंद करने को लेकर विवाद हो गया। दूसरे पक्ष के लोगों ने राजद समर्थकों पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस झड़प में करीब 5 लोग घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बिहिया पीएचसी में भर्ती कराया है। घायलों में एक का सिर फट गया है और गर्दन से सोने का लॉकेट भी छीन लिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें विधायक राहुल तिवारी अपनी गाड़ी में बैठे पूरी घटना देखते रह गए। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और गांव में कैंप कर रही है।इस घटना की शुरूआत तब हुई जब राहुल तिवारी अपने दलित समर्थकों से मिलने मिश्रौली गांव पहुंचे। वे जनसंपर्क के दौरान मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। मंदिर के पास कुछ लोग बैठे थे और लाइट बंद कर दी थी। एक समर्थक चितरंजन लाइट जलाने गया तो गाली-गलौज शुरू हो गई। घायल कृष्ण कुमार राम ने बताया, "मैं मंदिर के पास खड़ा था। अचानक कई अज्ञात आ धमके। मंदिर की लाइट बंद थी, मैंने जलाने की कोशिश की तो मुझे जाति सूचक शब्द कहे। मेरी मां-बहन की बेइज्जती की। फिर लाठियां और हथियार चले। मेरा सिर फट गया और लॉकेट छीन लिया गया। स्थानीय लोगों ने बचाया वरना जान चली जाती।" राहुल तिवारी ने कहा, "मैं मारपीट करने वालों को समझा रहा था लेकिन तभी पीछे से 8-10 लोगों ने हमला कर दिया। इखढ समर्थित लोग सोची-समझी साजिश के तहत मेरे समर्थकों को निशाना बना रहे हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मारपीट विधायक के सामने हो रही है। सूचना मिलते ही जगदीशपुर एसडीपीओ और कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। फिलहाल स्थिति काबू में कर ली गई लेकिन एहतियातन गांव में पुलिस कैंप कर रही है। बिहिया थानाध्यक्ष ने कहा, "एक पक्ष का आवेदन आया है। वीडियो और गवाहों से जांच कर कार्रवाई होगी। शांति बनी हुई है।" राजद ने थाने में लिखित शिकायत दी है। इखढ ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन इलाके में तनाव है।

बेगूसराय में रवि किशन की दमदार एंट्री, भोजपुरी अंदाज में मांगा वोट

एजेंसी। पटना

गोरखपुर से भाजपा सांसद और मशहूर फिल्म अभिनेता रवि किशन आज बेगूसराय पहुंचे, जहाँ उन्होंने दो चुनावी सभाओं को संबोधित किया। रवि किशन के आगमन को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। रविकिशन की सभा में भीड़ इतनी थी कि लोग मंच के करीब पहुंचने के लिए बार-बार नारेबाजी करते नजर आए। सभा के दौरान रवि किशन ने अपने चिर-परिचित फिल्मी और भोजपुरिया अंदाज में बेगूसराय की जनता को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से कहा कि भाजपा की लहर पूरे बिहार में चल रही है और इस बार बेगूसराय समेत पूरे राज्य में भाजपा भारी बहुमत से जीत दर्ज करने जा रही है। उनके भाषण के दौरान जब भीड़ ने तालियाँ बजानी शुरू की, तो उन्होंने माइक पर भोजपुरी गीत की कुछ पंक्तियाँ गाईं, जिससे मैदान में मौजूद लोग झूम उठे। सभा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रवि किशन ने कहा कि ह्लबेगूसराय में भाजपा भारी बहुमत से जीत रही है।ह्व उन्होंने आगे कहा कि इस बार बिहार में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सरकार बनाएगी और ह्लराम राज्य की गतिह्व को आगे बढ़ाएगी। भविष्य की योजनाओं पर बोलते हुए रवि किशन ने कहा कि बिहार में माँ जानकी के साथ मखाना का प्लांट और कई नई फैक्ट्रियाँ लगेंगी, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास का नया दौर शुरू होगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार जल्द ही एआई का हब बनेगा, जहाँ सिलिकॉन वैली में काम करने वाले युवा भी लौटकर आएंगे और स्थानीय बच्चों को एआई के माध्यम से प्रशिक्षित करेंगे। जान से मारने की धमकी पर पूछे गए सवाल पर रवि किशन ने अपने ठेठ अंदाज में जवाब दिया। कहा कि हमरा के का धमकी देवा हो! हम लोग तो अपना सर्वस्व देश को दे चुके हैं। सभा के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार आकर उन्हें बेहद खुशी हुई और यहाँ के लोगों की आत्मीयता ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में अब कोई रुकावट नहीं आने वाली। रवि किशन की सभाओं में भीड़ और उत्साह देखकर भाजपा कार्यकताओं में नया जोश भर गया है। बेगूसराय की सियासत में उनके आगमन से चुनावी माहौल और भी गरम हो गया है।उन्होंने कहा कि बिहार आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा और उन्होंने राज्य के लोगों को अग्रिम बधाई दी।

बिहार चुनाव के बीच एडव का बड़ा एक्शन, 184 एआई जेनरेटेड फेक वीडियो को किया ब्लॉक

रडार पर कई यूट्यूब चैनल

एजेंसी। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव होने में अब महज तीन दिनों रह गए है। ऐसे में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की विशेष यूनिट ने राज्य में आपत्तिजनक और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कुल 184 सोशल मीडिया पोस्ट और हैंडल की पहचान की है, जिसपर विभाग की ओर से कार्रवाई किया जाएगा। इसमें बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के भी 4 पोस्ट व हैंडल शामिल हैं। विधानसभा चुनाव के लए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद इन हैंडल्स से सांप्रदायिकता का जहर फैलाने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, इन पोस्टों के खिलाफ अवमानना के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ईओयू के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने सोशल मीडिया कंटेंट पर कहा है कि आपत्तिजनक व सांप्रदायिक पोस्ट को लेकर 67 लिंक और 25 हैंडल्स के खिलाफ 21 एफआईआर दर्ज किया गया है।इसके अलावा, चार यूट्यूब चैनल को भी चिह्नित किया गया है. इन चैनलों पर लगातार जातीय व धार्मिक आधार पर वोटर को डराने व धमकाने वाले गाने पोस्ट किये जा रहे हैं। इन यूट्यूब चैनलों की पहचान कर आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत कार्रवाई करने की कवायद शुरू की गई है। वहीं, ईओयू के डीआईजी का कहना है कि विभिन्न सोशल मीडिया के 184 पोस्ट व हैंडल के खिलाफ टेक डाउन की कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि इन सभी पोस्ट के माध्यम से चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है। इनके दोषियों की पहचान की जा रही है। उसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज किया जाएगा। साथ ही जांच किया जा रहा है, जिससे पता चल सके कि चुनाव से पहले सोशल मीडिया के जरीय लोगों में भ्रामता फैलाने की कोशिश की जा रही है। बताय जा रहा है कि अब तक कुल 17 एआई जेनरेटेड फेक वीडियो वाले लिंक को टेक डाउन के तहत प्रसारित होने से रोका गया है। दो यूट्यूब चैनल ऐसे पाए गए हैं, जो बार-बार फेक न्यूज पोस्ट कर रहे थे। इन दोनों चैनलों को ब्लॉक कराने के लिए केंद्रीय मंत्रालय के यूनिट को एक प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा 40 सोशल प्लेटफॉर्म, 28 यूट्यूब व डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म और 70 सोशल मीडिया प्रोफाइल की बार-बार आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित करने के लिए पहचान की गई है। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ब्लॉक करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एनडीए प्रत्याशी के लिए वोट मांगने छपरा पहुंचे सीएम योगी, महागठबंधन पर जमकर बोला हमला

एजेंसी। पटना

गरखा विधानसभा क्षेत्र के बसंत महाविद्यालय के मैदान में आज लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के एनडीए समर्थित प्रत्याशी सीमांत मृणाल के समर्थन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। सभा में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए योगी आदित्यनाथ ने अपने चिर-परिचित अंदाज में विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। कहा कि जैसे महात्मा गांधी के तीन बंदर थे। एक सुनता नहीं, दूसरा देखता नहीं और तीसरा बोलता नहीं। वैसे ही इंडी गठबंधन के भी तीन बंदर हैं। अप्पू, गप्पू और सप्पू। एक अच्छे से देख नहीं सकता, दूसरा अच्छा बोल नहीं सकता और तीसरा अच्छा होने नहीं देता। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं को जनता के विकास और अच्छे कार्य देखकर ह्लपेट में दर्दह्व होने लगता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बिहार में विकास और सुशासन की सरकार को मजबूत करने के लिए एनडीए प्रत्याशी सीमांत मृणाल को भारी मतों से विजयी बनाएं।

सुभाषितम्

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं। - सत्यसाई बाबा

बिहार विधानसभा के चुनाव पर लगेगी रोक?

बिहार विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद महिला मतदाताओं के खाते में पैसा ट्रांसफर करने की शिकायत चुनाव आयोग में होने से हड़कंप मच गया है। पहली बार चुनाव के दौरान मतदाताओं के खाते में सीधा भुगतान किया जा रहा है। इसके प्रमाण मौजूद हैं, जिसके कारण इस आरोप को झुठलाना सत्तापक्ष के लिए आसान नहीं होगा। चुनाव आयोग के लिए भी इसे नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच, में यह एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। देश के इतिहास में ऐसा मामला पहली बार सामने आया है। चुनाव की अधिसूचना जारी होने और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मतदाताओं के बैंक खातों में सरकारी योजना का पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ चुनाव आदर्श आचार संहिता का सबसे बड़ा अपराध बताया है। चुनाव आयोग से तुरंत हस्तक्षेप करने और चुनाव प्रक्रिया को रोकने की मांग विपक्ष ने की है। यह मामला मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से जुड़ा है। इस योजना में महिलाओं को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। चुनाव अधिसूचना जारी होने के कुछ दिनों पहले ही सरकार ने यह योजना घोषित की थी। योजना लागू होती, उसके पहले ही आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी थी। विपक्ष का आरोप है, कि 17, 24 और 31 अक्टूबर को लाखों महिलाओं के खातों में करोड़ों रुपए की यह राशि सरकारी खजाने से भेजी गई है। आचार संहिता 6 अक्टूबर से बिहार में लागू हो चुकी थी। विपक्ष के सांसद ने आरोप लगाया है, कि मतदाताओं को अगला पैसा ट्रांसफर 7 नवंबर को बिहार सरकार ने प्रस्तावित किया है। 6 नवंबर को बिहार में पहले चरण का मतदान हो चुका होगा और दूसरे चरण के मतदान की तैयारी चल रही होगी। 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान है। राजद सांसद मनोज झा ने इस मामले पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखते हुए कहा, यह आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट और जानबूझकर किया गया उल्लंघन है। उन्होंने कहा, सत्तापक्ष द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास है। इससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। चुनाव आयोग के नियमों और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। मनोज झा ने आयोग से तत्काल जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बिहार सरकार द्वारा अभी 1 करोड़, 51 लाख महिलाओं के खातों में सैकड़ों करोड रुपए की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। राज्य सरकार का दावा है, भुगतान उन लाभार्थियों को किया गया है, जिनके आवेदन 6 सितंबर से पहले प्राप्त हुए थे। विपक्ष का कहना है, सरकार की यह सफाई चुनावी नैतिकता और आदर्श आचार संहिता के विपरीत है। राशि ट्रांसफर करने की कार्रवाई चुनाव अधिसूचना के बाद हुई है, जिसे किया ही नहीं जा सकता था। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार शिकायत की जांच के लिए प्रारंभिक रिपोर्ट बिहार सरकार से मांगी गई है। आयोग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। राजनीतिक एवं विधि विश्लेषकों का कहना है, आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद महिलाओं के खाते में जो राशि ट्रांसफर की गई है वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे गंभीर चुनावी उल्लंघन है। पूर्व में इंदिरा गांधी का चुनाव सरकारी संसाधनों के सीमित उपयोग के आरोप में रद्द किया गया था। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने पर शिवसेना के बाल ठाकरे को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। जिसकी पुष्टि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी की थी। वर्तमान मामले को देखते हुए कहा जा रहा, कि यह मतदाताओं ऊंट के मुंह में जीरे के समान था। यह मामला कई गुना बड़ा और बहुत गंभीर है। यहां पर चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय लाभ देकर मतदाताओं के वोट लेने का प्रयास है। आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी धन के वितरण पर चुनाव आयोग द्वारा पूर्व में भी कई बार रोक लगाई गई है।

चिंतन-मनन

गहराई में जाएं

गुरू के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरूदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरू ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरू ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं। गुरू ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो। यही कान, यही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

- विजय कुमार

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्स र्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा। भारत 4,000 वर्ष से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013-14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल-ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल-ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन-किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन-किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन-कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन-किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन-किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पिष्ट, रूप से परिलक्षित कर रहा है। भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्री य राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूफ टी टर्मिनल को मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क से जोड़ा जा रहा है, जो भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है। अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तारर परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्यूरप सी) जैसे भारी उपकरण आईडब्यू एआई की देखरेख में भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत-प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है। उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्री य गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादा स्व्च्छऔ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्स र्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यापदा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है। सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वीच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्त सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यापिार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है। ऐसा नहीं है कि इसमें कोई चुनौती नहीं है। मौसम का असर नेविगेशन पर पड़ता है। कुछ हिस्सों में लगातार ड्रेजिंग की दरकार होती है। मालवाहन बेड़े भी सीमित हैं। राज्यों, बंदरगाहों और मंत्रालयों के बीच संस्थाकगत समन्यैवय भी बड़ी चुनौती है। लेकिन सरकार एंड-टू-एंड ड्रेजिंग, मल्टी-मोडल हब का विस्तार, अंतर्देशीय पोत कानून जैसी नीतियों को लागू करके इन चुनौतियों से निपट रही है। इसके साथ ही सरकार राष्ट्री य जलमार्ग पर निजी जेट्टी बनाकार और ह्यहरित नौकाह्न के तहत पर्यावरण मानदंडों का पालन करके इस क्षेत्र को स्वच्छ और हरित तरीकों की ओर ले जा रही है। कार-डी (कार्गो डेटा पोर्टल), जलयान और नाविक, जल-समृद्धि, पानी और नौदर्शिका (नेशनल रिवर ट्रैफिक और नेविगेशन सिस्टम) पोर्टल जैसे डिजिटल टूल परिवहन को आसान बनाते हैं और रुकावटों को कम करते हैं। पूरी दुनिया में नदी परिवहन का विस्तावर हो रहा है। डेन्यूब और राइन नदियां यूरोप का माल ढोती हैं। भारत मालवहन योग्यि नदियों के समृद्ध नेटवर्क के साथ मजबूत स्थिति में है। भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्यक रखा है, ऐसे में जलमार्ग उसके लिए विकल्पव नहीं बल्कि अनिवार्यता है। जल परिवहन दक्षता, अर्थव्यणवस्थाो और पारिस्थितिकी सभी के लिहाज से उयुक्तृ है। मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में वैश्विक और स्था नीय नीति निमार्ता, लॉजिस्टिक्स की दिग्गज कंपनियों से लेकर नए लोगों तक, सरकारें, निवेशक, मैरीटाइम विशेष, पर्यावरणविद और उत्साही लोग इस दिशा में अगला कदम उठाने के लिए अपने विचार प्रस्तुनत करेंगे। यह आयोजन कार्गो-केंद्रित नदी परिवहन के भविष्य की झलक दिखाएगा कि कैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र और दूसरे जलमार्ग हरे-भरे और ज्या दा कुशल भारत की रीढ़ बन सकते हैं। नदियों ने हमारी सभ्यता बनाई है।

वादे और दावे के बीच झूलती बिहार की राजनीति

- सुरेश हिन्दुस्तानी

बिहार में चुनावी घमासान की हवा चल रही है। प्रमुख राजनीतिक दल इस हवा के रुख को अपनी ओर मोड़ने का जी तोड़ प्रयास भी कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी अभी तक कोई भी ऐसी आश्वस्ति पीलिक्षित नहीं हो रही है कि हवा किस ओर बह रही है। राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे दावे और वादे सत्ता की राह को आसान बनाने की मात्र कवायद ही कही जा सकती है। बिहार की राजनीति में चार प्रमुख राजनीतिक दल जोर लगा रहे हैं, बाकी के सभी इनके सहारे सत्ता का स्वाद चखने के लिए लालायित हैं। यह प्रमुख दल अपने ही दल के अंदर उठ रहे भीतरघात के लावे से परेशान हैं। जहां तक राष्ट्रीय जनता दल की बात है तो उनके घर के अंदर से ही विरोध की चिंगारी सुलग रही है। जो भविष्य में बड़ी आग का रूप भी ले सकती है। तेजप्रताप यादव नए दल के साथ चुनावी मैदान में उतरकर तेजस्वी के सपनों को मिटाने का अभियान छेड़े हुए हैं, वहीं उनके पिता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के शासन करने का अंदाज एक बड़ी चुनौती बन रहा है। भारतीय जनता पार्टी एक प्रकार से इसी को चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि बिहार को विकास चाहिए या फिर जंगलराज चाहिए। लालू प्रसाद यादव के शासन बारे में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से इस आशय की टिप्पणी की गई थी कि बिहार में जंगलराज है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अपनी सरकार के बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए राजद के पास केवल भाजपा का विरोध करना ही प्रचार करने का एक मात्र विकल्प है। यह वोट प्राप्त करने का माध्यम तो बन सकता है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नकारात्मक राजनीति का पर्याय ही माना जाएगा। नकारात्मक राजनीति किसी भी प्रकार से उचित नहीं मानी जा सकती। बिहार की राजनीति में वोट चोरी का मामला भी जोर शोर से उठाया गया। इसका लाभ भी विपक्ष उठा सकता था, लेकिन ऐसा लगता है कि इस मुद्दे को उठाने में विपक्ष ने जल्दबाजी कर दी। चुनाव आयोग की ओर से वोट चोरी के बोर में पक्ष रखने के बाद यह मुद्दा गहरी खाई में समा गया। कांग्रेस और राजद की ओर से जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, वह यही संकेत करती है कि इनको सत्ता प्राप्त करने की जल्दी है। हमारे देश में एक कहावत तो सबने सुनी ही होगी कि जल्दी फायदा कम, नुकसान ज्यादा करती है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की दोस्ती का परिणाम सभी देख चुके हैं। अब बिहार में राहुल और तेजस्वी एक साथ हैं। राजनीतिक वातावरण में हमेशा से यही प्रचलित धारणा बनी हुई है कि दुश्मन का दुश्मन भी एक दोस्त की तरह ही होता है। कांग्रेस, भाजपा को राजनीतिक विरोधी ही मानती है, इसके साथ ही राजद के विचार भी भाजपा के विपरीत ही हैं। इसलिए बिहार में आज कांग्रेस और राजद एक साथ हैं। विपक्ष की ओर से राजद के नेता तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा भी घोषित कर दिया है। उन पर परिवारवाद की राजनीति का तमगा भी लगा है। इसके कारण भी राजद के अन्य वरिष्ठ नेता मैदान में खुलकर नहीं आ रहे हैं। राजद के कई नेताओं का अंदाज तेज प्रताप को समर्थन देने जैसा ही है। इस प्रकार की राजनीति भितरघात की श्रेणी में आएगी। अगर बिहार में तेजप्रताप अपना राजनीतिक कौशल दिखा पाते हैं तो यह स्वाभाविक तौर पर कहा जा सकता है कि फिर तेजस्वी की राह कांटों भरी ही होगी। दोनों भाइयों के बीच यह राजनीतिक घमासान मात्र नेतृत्व की ही लड़ाई है। यह भी सबको समझ में आ रहा है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का चुनावी मैदान में आना राजनीतिक सौदेबाजी करने जैसा ही माना जा रहा है। प्रशांत किशोर जितना जोर दिखाएंगे, उतना ही वह बिहार की राजनीति को प्रभावित करेंगे। यह प्रभाव किसके लिए खतरा बनेगा, यह अभी से कह पाना संभव नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति स्थिति को देखकर यही कहा जा रहा है कि प्रशांत किशोर का फोकस उन वोटों पर अधिक है, जो राजद या कांग्रेस को मिलते हैं। कपूरी ठाकुर के परिजन को अपनी पार्टी से उम्मीदवार बनाना भी संभवतः इसी रणनीति का ही हिस्सा है। जहां तक भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू की बात है तो यही कहा जा सकता है कि यह दोनों ही विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। बिहार को विकास की जरूरत भी है। भाजपा और जदयू को लगता है कि विकास के नाम पर उसे फिर से सत्ता प्राप्त हो जाएगी। इसके विपरीत विपक्ष की ओर से कांग्रेस और राजद की ओर से आम जन के निजी स्वार्थों को कुरेदकर उनको आर्थिक लाभ देने के वादे किए जा रहे हैं। ऐसे वादे लोग को त्वरित लाभ तो दे सकते हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। नौकरियां देना भी असंभव है, इसलिए स्वरोजगार देने का प्रयास करना चाहिए। केन्द्र सरकार इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। जिसके अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं। कई लोगों ने अपना जीवन स्तर भी सुधारा है। युवाओं को नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनाने का प्रयास करने की आवश्यकता है। बिहार के युवा इस बारे में सोचें, यही बिहार की राजनीति का आधार बने। राजनीतिक दलों को इस बारे में भी सोचना चाहिए। राजनीति को जन भावनाओं के अनुसार ही होना चाहिए। इसके लिए परिवारवाद नहीं, लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए हर राजनीतिक दल को प्रयास करना चाहिए। हालांकि हमारा आशय परिवार के सहारे राजनीति में कदम रखने वाले राहुल और तेजस्वी के राजनीतिक अस्तित्व पर सवाल खड़े करने का नहीं है। हो सकता है कि वे देश की भावी राजनीति के सूत्रधार बनें, लेकिन फिलहाल उनके खाते में ऐसी कोई राजनीतिक उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर उनका राजनीतिक आंकलन किया जाए। विपक्ष की दूसरी कठिनाई यह है कि इनके पास प्रचार करने वाले जमीनी नेताओं की कमी है, जबकि भाजपा और जदयू में ऐसे नेताओं की लम्बी सूची है।

अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिसमुद्दे पर हो रही है, वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश।जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी, आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन, उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से ह्यन्यूक्लियर रेसह्न में धकेल देगा?दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड दूसरों को रोको, खुद करो नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में ह्यन्यूक्लियर नैतिकताह्न का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत, अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका, जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरुनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है, जब वह अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपताहै, उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, 33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस? साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो, यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था।उसके बाद उसने अंतरराष्ट्रीय दबाव और कंप्रीहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे। लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेजी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइलह्लएवंगार्डह्नऔर ह्लसरमाटह्न की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी ह्लडोंगफेंग-41ह्न जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी ह्यमिलिट्री टेक्नोलॉजीह्न में सर्वश्रेष्ठ है। साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया, रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो, जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया।

आज का राशिफल

मेष मिलने के योग बन रहे हैं। जीविका के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब धीरे-धीरे फलीभूत होंगे।	**तुला** आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे।
वृषभ जीवन सुखमय रहेगा। वृष राशि के जातकों के लिए धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं।	**वृश्चिक** ऋण से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे।
मिथुन आज का दिन पराक्रम को बढ़ा रहा है। धन और ऐश्वर्य की वृद्धि से कुछ शत्रु ईर्ष्या करेंगे।	**धनु** आज गुप्त शत्रु और ईर्ष्यालु साथियों से आज के दिन आपको सतर्क रहना होगा।
कर्क आज आपके कोष भाव में संचार कर रहा है, जिससे कुछ अन्तर्विरोध उत्पन्न हो सकते हैं।	**मकर** रोजगार में सफलता दिलाएगा। मकर राशि के लोग को इस दौरान उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे।
सिंह आज अभीष्ट सिद्धि का कारक बन रहा है। इस दौरान आपके गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।	**कुंभ** आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कन्या आर्थिक दिशा में किए गए आपके प्रयास सफल रहेंगे और लाभ प्राप्त होगा।	**मीन** आज का दिन विजय का संकेत दे रहा है। पुराने झगड़े और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

विशेष

मोदी की लोकप्रियता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक छवि पहले की तुलना में कमजोर हुई है । ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए,देश और दुनिया में यह संदेश देना जरूरी हो गया है ।वह भारत में पहले की तरह लोकप्रिय हैं । बिहार विधानसभा का चुनाव जीतना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है । इस चुनाव में मोदी और शाह दोनों की लोकप्रियता और प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है । भाजपा को विश्वास है,चुनाव आयोग इस बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनवाने लायक बहुमत दे देगा ।रही सही कसर राज्यपाल पूरी कर देंगे ।इस चुनाव को जीतना बीजेपी के लिए हर हालत में जरूरी है । भाजपा के लिए यह मौका दोबारा मिलना संभव नहीं है । न्यायपालिका कार्यपालिका और चुनाव आयोग सब पर भाजपा का नियंत्रण है ।

धार्मिक ध्रुवीकरण

बिहार विधानसभा चुनाव में गृहमंत्री बार-बार घुसपेठियों को लेकर धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं ।एसआईआर के जरिए धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा नहीं हो पाया । जिसके कारण गृह मंत्री को अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगानी पड़ रही है । पिछले 11 वर्षों से केंद्र में सरकार है । घुसपेठियों को क्यों नहीं निकाल पाए ।यह सवाल बार-बार उनसे पूछा जा रहा है । धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुलाना पड़ा है । हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बाबा योगी अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं । परिणाम क्या होगा, 14 तारीख को ही इसका पता लगेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1618: औरंगजेब का जन्म हुआ। 1889: स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज का जन्म। 1921: जापान के प्रधानमंत्री ताकाशी हारा की हत्या कर दी गई। 1954: हिमालय पर्वतारोहण संस्थान की स्थापना दार्जिलिंग में हुई। 1971: कथक सम्राट शंभु महाराज का निधन । 1971: राष्ट्र संघ महासभा ने पश्चिम एशिया में युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया। 1975: अमरीका ने अंगोला स्थित अपना मिशन बंद कर दिया। 1979: उग्रवादियों ने तेहरान स्थित अमरीकी दूतावास पर कब्जा कर शाह रजा पहलवी की वापसी की मांग की। 1991: कुवैत से जापानियों को रिहा करके खाड़ी संकट हल करने के उद्देश्य से जापान के पूर्व प्रधानमंत्री यासाहिरों नकासोने ने इराकी अधिकारियों से मुलाकात की। 1992: अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने विदेश नीति में कोई परिवर्तन नहीं करने की घोषणा की।

दैनिक पंचांग

4 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 308 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 22.37 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 15.06 12.35 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 15.43 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.24 बजे तदनन्तर वणिज 22.37 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 23' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872518 **जूलियन दिन** 2460983.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 12 **विशेष** वैकुंठ चतुर्दशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.07 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.23 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.28 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.14 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.47 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.18 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.58 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.56 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.09 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		सिंह	00.26 बजे से
		कन्या	02.37 बजे से
		तुला	04.48 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह में चलती बस का शीशा टूटा:ड्राइवर, खलासी सहित एक महिला घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह से रांची जा रही मां तारा बस बड़े हादसे का शिकार होने से बच गया। गिरिडीह–डुमरी मेन रोड पर मधुबन मोड़ से आगे छछन्दो के पास अचानक बस का अगला शीशा तेज हवा के दबाव से टूट गया। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए। जिनमें बस चालक, उपचालक और चालक के पीछे बैठी एक महिला यात्री शामिल हैं। हादसे के वक्त बस में लगभग 40 यात्री सवार थे, लेकिन चालक की सूझबूझ से सभी की जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार में चल रही बस में अचानक शीशा टूटने से अफरा–तफरी मच गई। शीशे के टुकड़े चालक के घुटने और हाथ में, उपचालक के हाथ में तथा महिला यात्री के चेहरे पर लगे, जिससे उन्हें चोटें आईं। हादसे के बाद भी चालक ने हिम्मत नहीं हारी। पूरी समझदारी दिखाते हुए बस को नियंत्रित किया। उन्होंने बस को सड़क किनारे सुरक्षित खड़ा कर दिया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। यात्रियों ने चालक की इस सूझबूझ की सराहना की। घटना के दौरान बस में सवार सदर प्रखंड सह सेंट्रल जेल गिरिडीह के पूर्व चिकित्सा प्रभारी डॉ। एल। एन। दास ने घायलों की मदद की। उन्होंने अपने साथ रखे फर्स्ट एड किट से सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। शीशे के टुकड़े निकालने में सहायता की। यात्रियों ने बताया कि यदि बस में डॉक्टर मौजूद नहीं होते, तो घायलों की स्थिति बिगड़ सकती थी। उनकी तत्परता से घायलों को तत्काल राहत मिली और स्थिति नियंत्रण में रही।

31 मार्च से पहले ई-केवाईसी पूरा नहीं करने पर रुकेगी एलपीजी की सब्सिडी

रांची, एजेंसी। देशभर के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना–पीएमयूवाई के लाभार्थियों के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ई–केवाईसी) अनिवार्य कर दिया है। उपभोक्ता मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं ई–केवाईसी कर सकते हैं या नजदीकी गैस एजेंसी अथवा वितरण केंद्र पर जाकर यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 14 ।2 किलोग्राम सिलिंडर की आठवीं और नौवीं रिफिल पर 300 रुपए प्रति सिलिंडर सब्सिडी केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगी, जिन्होंने 31 मार्च 2026 तक ई–केवाईसी पूरा कर लिया होगा। निर्धारित समय सीमा तक प्रमाणीकरण नहीं कराने पर उपभोक्ताओं की रिफिलिंग और सब्सिडी अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि ई–केवाईसी के अभाव में गैस आपूर्ति बाधित नहीं होगी, केवल डीबीटी सब्सिडी रोकी जाएगी। मालूम हो कि डीबीटी सब्सिडी एक वित्तीय वर्ष में केवल 9 रिफिल तक लागू होती है। आठवीं और नौवीं रिफिल की सब्सिडी तब तक रोककर रखी जाएगी जब तक उपभोक्ता 31 मार्च से पहले ई–केवाईसी पूरा नहीं कर लेते। वहीं, जिन उज्ज्वला योजना लाभार्थियों ने वित्तीय वर्ष में एक बार बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कर लिया है, उन्हें उसी वर्ष इसे दोबारा करने की आवश्यकता नहीं होगी। एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन के अध्यक्ष जयंत चौहान और राजेंद्र जिबासिया ने कहा कि रांची में वर्तमान में करीब 8 ।5 लाख एलपीजी लाभार्थी हैं। इनमें से करीब 40 प्रतिशत लोगों ने ई–केवाईसी नहीं करवाया है। इन्होंने उनसे आग्रह किया है कि वे जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करवा लें।

पलामू में सांसद खेल महोत्सव की हुई शुरुआत, पहले दिन हाफ मैराथन का आयोजन

पलामू, एजेंसी। रविवार से पलामू में सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत हुई। खेल महोत्सव के पहले दिन हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम समेत कई हस्तियों ने भाग लिया है ।पलामू के शिवाजी मैदान से लेकर पुलिस लाइन तक मैराथन की दौड़ हुई ।सांसद खेल महोत्सव 14 दिसंबर तक चलेगा और उसी दिन विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया जाएगा। हाफ मैराथन के लिए पलामू और गढ़वा में 10 हजार से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। खेल महोत्सव में फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कराटे, कबड्डी, खोखो समेत कई प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विजेता प्रतिभागियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा ।इस संबंध में पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने बताया कि खेल महोत्सव के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास है। खेल महोत्सव के माध्यम से पलामू और गढ़वा के इलाके के युवाओं को जोड़ना है। खेल महोत्सव से जुड़े हुए आयोजन पलामू और गढ़वा में होने हैं। वहीं रविवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तरफ से रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसे पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने संबोधित किया ।इस मौके पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक राष्ट्रीय पदयात्रा होनी है। इस पदयात्रा में प्रत्येक जिले से दो–दो प्रतिभागी भाग लेंगे ।सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय पद यात्रा को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। राष्ट्रीय एकता समेत कई बिंदुओं पर निबंध लेखन और रील्स बनाना है।

बरवाडीह की नीलम देवी नर्सरी से कमा रही लाखों

एक एकड़ में लगाई पौधों की नर्सरी, अच्छी आमदनी के साथ दूसरों को कर रहीं प्रेरित?

लातेहार, एजेंसी। शादी के बाद लम्बे समय तक घर की चहारदीवारी तक सीमित रही। जब? महिला समूह से जुड़ी तो जीवन में एक नया रास्ता मिला। महिला समूह से जुड़ने से न केवल विभिन्न सरकारी? योजनाओं की जानकारी मिली, बल्कि प्रखंड स्तर पर महिलाओं को रोजगार से जोड़ने वाली योजनाओं से भी? लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त हुआ। इसी क्रम में वर्ष 2021 में मनरेगा योजना के तहत रोजगार सेवक कमलेश? सिंह ने मुझे नर्सरी लगाने की सलाह दी।

मैंने अपनी एक एकड़ जमीन पर नर्सरी की शुरुआत की। प्रारंभ में यह एक? छोटा प्रयास था, लेकिन धीरे-धीरे यह बड़ा रूप लेता गया। वर्ष 2022-23 में मेरे नर्सरी में तैयार किए गए आम के? पौधों की आपूर्ति मनरेगा के आम बागवानी योजना के तहत की जाने लगी। पहली बार वर्ष, 2023 में न केवल? अपने प्रखंड क्षेत्र में, बल्कि कई अन्य प्रखंडों में भी आम के पौधों की आपूर्ति की।

हर साल 5 लाख रुपए की कर रही कमाई : आज अपनी नर्सरी से हर साल? लगभग ?5 लाख की आय होती है। जबकि, पहले पूरे परिवार के लिए ?5,000 कमाना भी मुश्किल था। वर्तमान? में मेरे नर्सरी में न केवल आम के पौधों, बल्कि कीमती लकड़ी, फलदार और छायादार वृक्षों की भी बिक्री बड़े? पैमाने पर होती है।?

मेरे और मेरे परिवार के जीवन स्तर में सुधार लाने में पंचायत के रोजगार सेवक कमलेश सिंह,? मुखिया बुद्धेश्वर सिंह, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर और बीडीओ रेखा रेशमा मिंज का मार्गदर्शन बेहद अहम? रहा है। कंचनपुर गांव की रीना देवी, सैदप की कौशिला देवी, बभंडी गांव की मंजू सिंह समेत आधा दर्जन से? अधिक लोग नीलम देवी से प्रेरित होकर नर्सरी तैयार कर पौधे बेचकर अच्छी आमदनी कर रहे हैं। खेती में इस नए? प्रयोग में मेरी सफलता में मेरे पति का बराबर का साथ रहा। पति प्रमोद सिंह हर कदम पर मेरा साथ देते हैं। आज? जो भी सफलता मिली है, उसमें पति का योगदान अहम है। मुझे देखकर कई किसानों ने यह काम किया।?

महिला समूह ने जीवन की दिशा बदली, आत्मनिर्भर बनीं? : महिला समूह से जुड़ने के बाद जेएसएलपीएस और मनरेगा के तहत भरपूर सहयोग मिला, जिसने मेरे जीवन की? दिशा बदल दी। आज मैं न केवल आत्मनिर्भर हुं, बल्कि अन्य महिला समूहों से जुड़ी 'दीदियों' को प्रेरित और? प्रशिक्षित भी करती हुं। आज पूरे जिले की दर्जनों महिलाएं उनके प्रयासों से प्रेरित होकर कृषि और नर्सरी के क्षेत्र में? आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जो मेरे जीवन काल की सबसे बड़ी उपलब्धि है।?

कौन हैं नीलम देवी? : नीलम देवी मैट्रिक पास हैं और वर्तमान में लगभग 2 एकड़ जमीन पर खेती कर रही हैं। आज मेहनत और? तकनीक के सहारे सालाना ?5 लाख रुपए की आमदनी कर लेती हैं। गांव और आसपास के लोग भी इनकी? खेती को देखकर प्रेरित होते हैं। कुछ लोग जानकारी लेते आते हैं जिन्हें स्वेच्छा से वे पूरी जानकारी देते हैं।? इससे भी बढ़िया खेती कर सकें। नीलम की एक बेटी और दो बेटा हैं। बेटी बीए कर रही है और घर के समीप? प्रज्ञा केंद्र भी चला रही है। एक बेटा मैट्रिक की परीक्षा की तैयारी कर रहा है। जबकि, दूसरा 8वीं कक्षा में है।?

बोरे में छिपाकर ला रहे थे प्रतिबंधित कफ सिरप, 13400 शीशी जब्त

रांची, एजेंसी। मांडर थाना क्षेत्र के एनएच 39 स्थित टांगरबसली मोड़ पास शनिवार की देर रात पुलिस ने 13 हजार 400 बोतल कफ सिरप लदा एक ट्रक पकड़ा है। ट्रक एनएल-01 एएच 5510 के चालक वसीम निजाम शेख को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वसीम मूल रूप से मुंबई के प्रेम नगर स्थित जनता कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार चालक ने बताया है कि वह उत्तर प्रदेश से कफ सिरप लेकर रांची पहुंचा था। चान्हो इलाके में एक व्यक्ति पास सप्लाई करनी थी। उक्त व्यक्ति का नाम व पता उसे नहीं बताया गया था। चान्हो में संबंधित जगह पर पहुंचने के बाद उस व्यक्ति द्वारा खुद कफ सिरप लेने के लिए पहुंचने की बात कही गई थी। हालांकि इससे पहले ही यूपी क्राइम ब्रांच की सूचना के बाद रांची पुलिस ने चेकिंग लगाकर ट्रक को रोका।

पुलिस ने जब ट्रक के चालक को रोकने के बाद लोड किए गए सामान के बारे में पूछा तो उसने कहा कि सड़ा हुआ चावल का बोरा लोड है। जांच की तो वास्तव में सड़े चावल का बोरा लोड किया हुआ मिला। हालांकि जब चावल का बोरा हटाकर देखा तो नीचे में सफेद रंग के प्लास्टिक का बोरा मिला। सफेद रंग का 134 बोरी लोड था। औषधि निरीक्षक की मौजूदगी में जब बंद बोरे को खोला गया तो 13 हजार 400 शीशी कफ सिरप बरामद हुआ। पुलिस के समक्ष चालक न तो कोई कागजात प्रस्तुत कर पाया और न ही संबंधित व्यक्ति के बारे में कुछ बता पाया, जिसके बाद कफ सिरप सप्लाई करनी थी। कफ सिरप लदा जिस ट्रक को पुलिस ने पकड़ा है, वह मंगल सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। रजिस्टर्ड गाड़ी के ओनर का वर्तमान पता नगालैंड के कोहिमा स्थित एनएसटी कॉलोनी जबकि परमानेंट पता मध्य प्रदेश के मोरिना स्थित हेतम्पुर बताया गया है।

लातेहार में वन विभाग की कार्रवाई, पीटीआर के इलाके से भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त

लातेहार, एजेंसी। वन विभाग की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में पेड़ों की कटाई कर पटरा बनाने वाले लकड़ी तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने रविवार को छापेमारी अभियान चलाकर लाखों रुपये की अवैध लकड़ी जब्त की है। इस कार्रवाई की पुष्टि रेंजर नंदकुमार महतो ने की है। उन्होंने बताया कि वन विभाग का छापेमारी अभियान अभी जारी है।

नवाटोली गांव के दो घरों से अवैध लकड़ी जब्त

दरअसल, वन विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि पलामू टाइगर रिजर्व के बारेसांड वन क्षेत्र स्थित नवाटोली गांव और उसके आसपास कुछ इलाकों में लकड़ी की अवैध कटाई की जा रही है। सूचना यह भी मिली थी कि गांव के कुछ लोग पेड़ को काटकर पटरा बना रहे हैं। सूचना मिलने के बाद फॉरेस्टर परमजीत तिवारी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने लकड़ी तस्करों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया। वन विभाग की टीम ने नवाटोली गांव स्थित सूबेदार लकड़ा और सुबोध खाखा के घर में छापेमारी की तो वहां से बड़ी मात्रा में अवैध लकड़ी बरामद हुई।

वन विभाग का छापेमारी अभियान जारी

जांच में यह भी पता चला कि गांव के ही भकरू मुंडा द्वारा लकड़ी की चिराई की जा रही थी। हालांकि वन विभाग की टीम के आने से पहले ही भकरू मुंडा फरार हो गया था। वन विभाग की टीम ने दोनों घरों में छापेमारी कर सभी लकड़ी जब्त कर ली है। बरामद लकड़ियों में अधिकांश कीमती ईमारती लकड़ियां हैं। जिसमें सखुआ, शीशम, बीया, सेमल आदि की लकड़ी शामिल है। इधर, वन विभाग को सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि कई अन्य ग्रामीण भी अवैध लकड़ी की तस्करी में लगे हुए हैं। इसी सूचना पर वन विभाग का छापेमारी अभियान जारी है।

लाखों की लकड़ी मिलने की संभावना

इधर, इस संबंध में रेंजर नंदकुमार महतो ने बताया कि वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ ग्रामीणों के द्वारा लकड़ी की कटाई की जा रही है। जब टीम ने नवाटोली गांव में छापेमारी की तो वहां से अवैध लकड़ी बरामद की गई। विभाग का छापेमारी अभियान जारी है। छापेमारी अभियान पूरा होने के बाद बरामद लकड़ियों की सूची तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि जंगल से लकड़ी काटने वालों के खिलाफ वन विभाग पूरी तरह गंभीर है। किसी भी सूरत में लकड़ी तस्करों को छोड़ नहीं जाएगा।

पीटीआर के इलाके से पत्ता तोड़ना भी है जुर्म

यहां बता दें कि पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके से एक पत्ता तोड़ना भी जुर्म है। पलामू टाइगर रिजर्व की स्थापना ही जानवरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ जंगल को सुरक्षित रखने के लिए किया गया था। इसी कारण यह नियम है कि पूरे पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके से ना तो किसी प्रकार की कोई लकड़ी की कटाई हो सकती है और ना ही कोई बाहरी गतिविधियों यहां की जा सकती हैं। हालांकि दुर्भाग्य की बात यह है कि लकड़ी तस्कर इस इलाके में सक्रिय रहते हैं। पलामू टाइगर रिजर्व के जंगलों से अवैध रूप से लकड़ी कटाई की सूचना भी अक्सर मिलती रहती है।

कोडरमा में हाथियों के झुंड ने धान की फसल रौंदी

धान की फसल पर दोहरी मार, पहले चक्रवात फिर हाथियों का हमला

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के जयनगर प्रखंड के घूरमुंडा गांव में दर्जनों हाथियों ने खेतों में घुसकर किसानों की तैयार धान की फसल को बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, यह झुंड श्मशान घाट के रास्ते तरिया के खेतों तक पहुंचा और थोड़ी ही देर में पूरी फसल रौंद दी।

इससे पहले मोंथा चक्रवात से हुई भारी बारिश ने धान की खेती को नुकसान पहुंचाया था, जिससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है। किसान बम-पटाखे और मशाल जलाकर हाथियों को भगाने की कोशिश करते रहे, लेकिन तब तक उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फिर चुका था।

लगातार बढ़ रही हाथियों की गतिविधियां

ग्रामीणों ने बताया कि यह झुंड पिछले कई दिनों से इलाके में आतंक मचा रहा है। शनिवार देर रात भी हाथियों ने गड़गी रेलवे फाटक को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके पहले भी यही झुंड आसपास के गांवों में धान की फसलों को रौंद चुका है। घूरमुंडा गांव की तरिया की जमीन उपजाऊ मानी जाती है, जहां किसान कटाई की तैयारी में जुटे थे। हाथियों के इस हमले ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। बार-बार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई किसान अब रात में अपने खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं।

वन विभाग की टीम मौके पर एक्टिव

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम घूरमुंडा गांव पहुंची। वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि हाथियों के झुंड पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल उन्हें बराकर नदी के पार खदेड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि ये हाथी भ्रमणशील हैं।

संभावना है कि वे दोबारा कोडरमा इलाके में प्रवेश कर सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी हाथी या झुंड को देखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें और उनसे दूरी बनाकर रखें। विभाग की ओर से इलाके में गश्ती बढ़ा दी गई है ताकि दोबारा नुकसान से बचा जा सके।

नुकसान की भरपाई करेगा वन विभाग

इधर रेंजर रविन्द्र कुमार ने कहा कि जिन किसानों की फसल हाथियों द्वारा नष्ट की गई है, उन्हें नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रभावित किसान वन विभाग को आवेदन दें, जिसके बाद संबंधित अंचल कार्यालय के माध्यम से नुकसान का आकलन किया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद किसानों को मुआवजा देकर उनकी भरपाई की जाएगी।

बोकारो में लुगुबाबा की जयघोष से गूंजा धोरोमगढ़ : तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत, पहले ही दिन 10 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

रांची। प्रकृति की गोद में बसे जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया के पवित्र स्थल लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में सोमवार को राजकीय महोत्सव 2025 का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान और भक्तिपूर्ण माहौल में हुआ। पूरे क्षेत्र में जय लुगुबाबा के जयघोष और मांदर की थापों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत की। पहले ही दिन श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा। दस हजार से अधिक श्रद्धालु लुगु पहाड़ पर चढ़कर लुगुबाबा के दर्शन के लिए पहुंचे।

डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत की।

डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत की।

सूर्योदय के साथ ही श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गीत-संगीत गाते हुए आस्था की राह पर आगे बढ़ते दिखाई दिए। भक्तों ने कहा कि लुगुबाबा हमारे पुरखों की आत्मा हैं, हमारी धरती और हमारे धर्म के रक्षक। यहां आकर मन को शांति और आत्मा को शक्ति मिलती है।

डीसी अजय नाथ झा ने पूजा-अर्चना कर महोत्सव की सफलता और जिले की सांस्कृतिक एकता, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लुगुबुरू महोत्सव हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी संस्कृति की आत्मा और हमारी परंपरा की पहचान है। यह पर्व झारखंड की लोकआस्था को विश्व पटल पर स्थापित करता है।

लुगुबुरू महोत्सव केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि यह झारखंड की आदिवासी अस्मिता, लोक संस्कृति और सामूहिक एकता का जीवंत उत्सव है। यहां सांताली और अन्य जनजातीय समाजों के लोग अपने पारंपरिक परिधानों में नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए सुगठित व्यवस्था

टेंट सिटी में आवास और विश्राम की सुविधा

बोकारो स्टील सिटी व गोमिया रेलवे स्टेशन से निःशुल्क बस सेवा

खिचड़ी सेवा, साफ-सुथरा पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साज-सज्जा

सूचना व सहायता केंद्र, स्वास्थ्य शिविर और स्वच्छता टीम निरंतर सक्रिय

डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह ने महोत्सव स्थल का दौरा कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह ने महोत्सव स्थल का दौरा कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

सुव्यवस्थित व्यवस्था पर दिया बल : इसी क्रम में डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह ने महोत्सव स्थल का दौरा कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीसी और एसपी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पाकुड़ के चर्चित गोलीकांड मामले में दो गिरफ्तार, अन्य फरार

पाकुड़, एजेंसी। जिला में चर्चित गोलीकांड मामले में दो नामजद अभियुक्त को जिला की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से किसी प्रकार का हथियार बरामद नहीं हुआ है। इस गोलीकांड मामले में अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी करी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इस गोलीकांड मामले में गिरफ्तारी की पुष्टि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद ने पत्रकार सम्मेलन कर दी।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद ने बताया कि हिरणपुर प्रखंड के बेलपहाड़ी गांव स्थित अजहर इस्लाम के पत्थर खदान में दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मारपीट, पथराव एवं फायरिंग करने की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद ग्रामीण एवं क्रशर संचालक की ओर से थाना में प्राथमिक की दर्ज करायी गयी।

प्राथमिक की दर्ज करने के बाद पुलिस अनुसंधान शुरू की। इस दौरान उंसारूल शेख एवं दिलबर हुसैन को गिरफ्तार किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस संभावित ठिकानो पर छापेमारी की जा रही है। क्रशर संचालक अजहर इस्लाम को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मामले की अनुसंधान की जा रही है।

बता दें कि बेलपहाड़ी गांव में अजहर इस्लाम के पत्थर खदान में हैवी ब्लास्टिंग के कारण पत्थर का टुकड़ा निकट गांव स्थित कई मकान में गिरने से घरों की क्षति हुई थी। इसकी शिकायत जब ग्रामीण क्रशर संचालक से की उनमें नोकझोंक हुई। ग्रामीणों ने क्रशर एवं पत्थर खदान को बंद कर दिया गया और मुआवजा के साथ सुरक्षित ब्लास्टिंग करने की मांग कर रहे थे। घटना के दूसरे दिन क्रशर संचालक अजहर इस्लाम ने ग्रामीणों द्वारा बंद कराए गए खदान व क्रशर को चालू कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों और क्रशर संचालक के कर्मी, अजहर का निजी सुरक्षा कर्मी के साथ नोकझोंक, मारपीट व पथराव हुई। इस क्रम में अजहर इस्लाम के निजी सुरक्षा कर्मी एवं अन्य लोगों द्वारा फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। घटना के बाद कई ग्रामीण घायल भी हुए और इसकी शिकायत थाना में थी।

गोलीकांड की घटना जिला में ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गया। जिसके बाद जिला प्रशासन ने अजहर इस्लाम द्वारा नियमों की अनदेखी के पत्थर खदान व क्रशर का संचालन किये जाने के आरोप में खदान व क्रशर को सील कर दिया गया। जिला में मकबूल शेख हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है।

जिसमें दो आरोपियों को हथियार के शिकंजे में लिया गया है। इसकी जानकारी एसपी निधि द्विवेदी ने पत्रकार सम्मेलन कर दी। एसपी ने बताया कि शुक्रवार की रात को पुरानी रंजीश के कारण दनारूल शेख औरउसके पुत्र ललन शेख ने मिलकर मकबूल की हत्या कर दी थी।

एसपी ने बताया कि बाप बेटे ने मिलकर हत्या की साजिश रची और मकबूल की हत्या देसी पिस्तौल से गोली मारकर कर दी। एसपी ने इस मामले को गंभीरता से लिया और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद के नेतृत्व में एसआइटी गठित की गयी और दोनों अभियुक्तों को दबोचा गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते पंचायत चुनाव में मकबूल और ललन के बीच विवाद हुआ था और उसी पुरानी रंजीश को लेकर मकबूल की हत्या कर दी गयी। ललन और उसके पिता दनारूल शेख की गिरफ्तारी बड़तल्ला पानी पोखर के पास से की गयी। एसपी ने बताया कि इस गोलीकांड का उद्भेदन के लिए गठित एसआइटी में जिला के मुफसिल थाना के अलावा हिरणपुर और मालपहाड़ी ओपी की पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों को शामिल किया गया।

बिना पानी के ऐसे करें सफाई

सर्दियों का मौसम आते ही काम करने में आफत आने लगती है। इस मौसम में घर का काम करना सबसे ज्यादा मुश्किल लगता है। पानी वाले काम और साफ-सफाई करना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। ठंड में पानी को हाथ लगाना बहुत ही मुश्किल लगता है। इस कड़ाके की ठंड में पानी इतना ज्यादा ठंडा हो जाता है कि उसे हाथ लगाने में ही नानी याद आ जाती है। अगर आपको भी इस मौसम में घर की सफाई करने में दिक्कत आती है, तो आज हम आपको ऐसे आसान हैक्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से आप बिना पानी को हाथ लगाए ही घर की सफाई चुटकियों में कर सकते हैं।

डंडे वाले मोप से करें सफाई

अगर आप ठंडे पानी में हाथ डालकर पोछा नहीं लगाना चाहती हैं, तो डंडे वाले मोप से पूरे घर की सफाई करें। इससे आप बिना पानी को छुए ही घर को चकाचक कर सकती हैं। इस पानी में कोई भी होममेड क्लीनर मिलाकर सफाई करें। इससे फर्श के दाग भी साफ हो जाएंगे।

बेबी वाइप्स आएंगी काम

बेबी वाइप्स छोटी-मोटी गंदगी को साफ करने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आप इनका इस्तेमाल टेबल, स्विच बोर्ड या अन्य छोटी सतहों को साफ करने के लिए कर सकते हैं। इसकी मदद से आप पानी वाले कई काम बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

वैक्यूम क्लीनर

जिन लोगों को पानी से सफाई करने में डर लगता है और झुककर पोंछा लगाने में कमर दर्द की शिकायत होती है, उन्हें वैक्यूम क्लीनर से सफाई करनी चाहिए। ये घर की सफाई का सबसे आसान तरीका है। इससे आप मिनटों में घर के पर्दे, सोफा और फर्श साफ कर पाएंगी।

पानी गरम करें

अगर आपको मजबूरन पानी से सफाई करनी पड़ रही है, तो इस कंडीशन नें आप गरम पानी में नींबू के इस्तेमाल किए हुए छिलकों को मिलाकर उनकी मदद से सफाई कर सकती हैं। इससे आपको काफी कंफर्ट मिलेगा।

माइक्रोफाइबर कपड़ा

माइक्रोफाइबर कपड़े धूल और गंदगी को बेहद आसानी से सोख लेते हैं। इन्हें पानी में भिगोने की जरूरत नहीं होती। बस इन कपड़ों से फर्नीचर, टेबल, खिड़कियां और घर की कई चीजों को आप डीप क्लीन कर सकती हैं। ये न केवल धूल हटाते हैं बल्कि उससे हर चीज बहुत अच्छे से चमक जाती है।

क्या आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं....

आईवीएफ ट्रीटमेंट का सक्सेसफुल होना कई बातों पर निर्भर करता है और इससे पहले कपल्स को कई बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। आईवीएफ ट्रीटमेंट में महिला के एग और पुरुष के स्पर्म को एक साथ मिलाकर लैब में फर्टिलाइज किया जाता है और इसके मैच्योर होने पर इसे महिला के गर्भाशय में इंप्लांट कर दिया जाता है। अगर आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं जो इससे पहले यह जान लें कि आईवीएफ से पहले कपल्स को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

सबसे पहले प्रक्रिया को समझें

आईवीफए ट्रीटमेंट शुरू करवाने से पहले आप इसकी प्रक्रिया को समझ लें वरना प्रोसेस के दौरान मन में बैठे सवालों से आपका मन बेचैन हो सकता है या आपको डर लग सकता है। आईवीएफ की एक साइकिल पूरी होने में दो हफ्ते लगते हैं। इस प्रोसेस के लिए आपके शरीर में हार्मोंस की मात्रा ठीक होनी चाहिए। दुखी होने पर, एंग्जायटी होने और चिंता में रहने पर आईवीफए ट्रीटमेंट लेने का फैसला न लें।

निर्देशों का पालन करें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने के दौरान खानपान, एक्सरसाइज, नींद और दवाओं को लेकर डॉक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। आईवीएफ ट्रीटमेंट के लिए जरूरी सभी दवाओं का समय पर सेवन करना जरूरी है। यह ट्रीटमेंट महंगी होती है इसलिए फाइनेंशियली तौर पर इसके लिए तैयार रहें। आप चाहें तो इंश्योरेंस पॉलिसी भी ले सकते हैं।

स्ट्रेस से बिलकुल दूर रहें

नैचुरली कंसीव न कर पाने पर तनाव होना स्वाभाविक है। मां न बन पाने पर महिलाओं को स्ट्रेस घेर लेता है जिसका असर उनकी सेहत के साथ-साथ फर्टिलिटी पर भी पड़ता है। आईवीएफ लेने से पहले और इसके दौरान, हर तरह के तनाव से दूर रहने की कोशिश करें। ऐसा सोचें कि खुश रहकर आप ट्रीटमेंट के सफल होने के चांसेस को बढ़ा सकती हैं और शिशु को भी स्वस्थ रख सकती हैं। तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें, गाने सुनें और अपनी पसंद का काम करें।

क्या न करें

ट्रीटमेंट को सफल बनाने के लिए धूम्रपान, शराब और ड्रग्स आदि न लें। इस तरह आप आईवीएफ ट्रीटमेंट के सक्सेस रेट को बढ़ा सकती हैं। महिलाओं को प्रेग्नेंसी में या ट्रीटमेंट के दौरान अपनी इच्छाओं को नहीं मारना है। फिट रहें, संतुलित आहार लें और जरूरी विटामिन लेना न भूलें। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह को हल्के में न लें। डॉक्टर की मदद और सलाह के बिना आईवीएफ ट्रीटमेंट को सफल नहीं बनाया जा सकता है इसलिए इस पर ध्यान दें।

सही आईवीएफ सेंटर चुनें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप एक सही आईवीएफ सेंटर का चुनाव करें। किसी भी फर्टिलिटी सेंटर में जाने से पहले उसके बारे में अच्छे से पता कर लें। जान लें कि उस सेंटर में क्या सुविधाएं मिलती हैं और वहां पर ट्रीटमेट का सक्सेस रेट क्या है। इसके अलावा सेंटर का स्टाफ भी अच्छा होना चाहिए ताकि आपको ट्रीटमेंट के दौरान कोई दिक्कत न हो।

सर्दियों में घर की सफाई के लिए अपनाएं ये सीक्रेट हैक्स, बिना ज्यादा मेहनत के घर लग सकता है खूबसूरत

सर्दियों में घर की सफाई करने में अक्सर हमें आलस आता है। साथ ही, इस मौसम में ठंड की वजह से हम पानी के संपर्क में आने से बचना चाहते हैं। ऐसे में घर को साफ करने के लिए, आप इन सीक्रेट हैक्स को अपना सकती हैं। इससे टाइम भी बचेगा और ठंड में आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

हम सभी अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहते हैं। घर को साफ और सलीके से रखने के लिए, मेहनत भी करते हैं। फर्श साफ करना हो, घर की चीजों को करीने से लगाना हो, सामान को जगह पर रखना है या घर के हर कोने को सजाना, अपने आशियाने को खूबसूरत बनाने में हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। लेकिन, सर्दी आते ही आलस की वजह से घर की सफाई करना हमें किसी बड़े टास्क से कम नहीं लगता है। खासकर, पानी से सफाई करने में तो ठंड भी लगती है और बीमार होने के चांसेज भी रहते हैं। ऐसे में हम घर की सफाई के लिए आसान हैक्स ढूंढते हैं, जिनमें पानी में हाथ भी न डालना पड़े और ज्यादा मेहनत भी न लगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही आसान हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से सर्दियों में बिना ज्यादा मेहनत के आपका घर खूबसूरत लग सकता है।

सर्दियों में कम मेहनत में घर की सफाई के आसान हैक्स

- सर्दियों में सेंटर टेबल, डाइनिंग टेबल, रैक्स या अन्य हिस्सों की सफाई करते वक्त, हाथ में सिलिकॉन ग्लब्स पहन सकती हैं। क्लीनर को एक बॉटल में लेकर स्प्रे करें। अगर आप पानी से साफ कर रही हैं, तो इसे भी स्प्रे बोतल में डाल लें।
- हाथो में सिलिकॉन ग्लब्स पहनकर घर के इन हिस्सों को साफ करें। इससे आपके हाथ गीले नहीं होंगे और सफाई भी आसानी से हो जाएगी।
- फर्श को साफ करने के लिए, आप पोंछा लगाने के बजाय वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- पानी से साफ-सफाई करना ठंड में ज्यादा मुश्किल होता है। ऐसे में पहले साफ कपड़े से डस्टिंग करें। जहां धूल ज्यादा लगे या जहां सूखे कपड़े से साफ न हो, वहीं गीले कपड़े का इस्तेमाल करें।
- पानी से होने वाली सफाई को हफ्ते में 1-2 बार दोपहर में करने की कोशिश करें। अगर आप वर्किंग हैं, तो छुट्टी वाले दिन ऐसा कर सकती हैं।
- सोफे और सिटिंग एरिया को अच्छे से साफ करें। इसे करने में वक्त और मेहनत कम लगती हैं लेकिन कोई भी मेहमान जब घर आता है, तो सबसे पहल इसी हिस्से को नोटिस करता है। इसलिए, इसे क्लीन करना बहुत जरूरी है।
- सोफ के कुशन, टेबल और सिटिंग एरिया के आस-पास ज्यादा सामान न रखें ताकि इसे साफ करने में दिक्कत न आए। इसे कोजी और कम्फर्टिंग बनाने की कोशिश करें। इसके लिए आप हैवी कुशन्स, कालीन और कुछ ऐसे बड़े डेकोरेटिव आइटम्स रखें जिन्हें साफ करना भी आसान हो।
- सर्दियों में सफाई करने के लिए सिंथेटिक क्लीनर का उपयोग करें। इससे घर जल्दी और आसानी से साफ होता है।

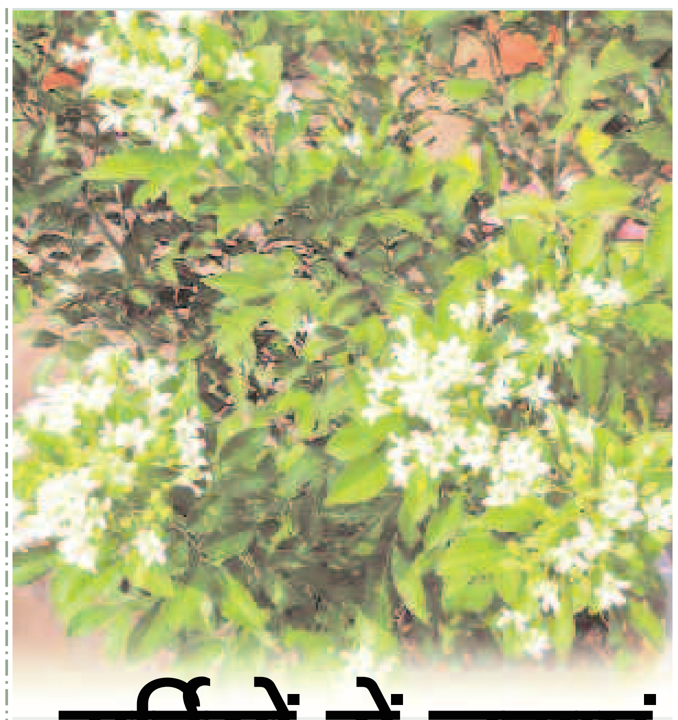

सर्दियों में लगाएं मधुकामिनी का फूल
खुशबू से महक जाएगा घर

सर्दियों के मौसम में मधुकामिनी का पौधा आराम से लग जाता है। ये देखने में जितना खूबसूरत होता है, उतनी ही सुगंधित भी। इस पौधे को आप इंडोर और आउटडोर कहीं भी डेकोरेट कर सकते हैं। आइए जानें घर पर मधुकामिनी का पौधा लगाने का तरीका...

मधुकामिनी का पौधा देखने में जितना खूबसूरत लगता है, उतनी ही इसकी खुशबू जबरदस्त होती है। ऐसी मान्यताएं हैं कि ये पौधा स्वर्ग से धरती पर आया था। ये पौधा खिलने के बाद बहुत ही अच्छी महक फैलाता है। ये हर जगह को अपनी सुगंध से महका देता है। माधुकामिनी के फूल गुच्छे में खिलते हैं। इसे ऑरेंज जैस्मीन के नाम से भी जाना जाता है। ये पौधा बहुत ही अच्छे इंडोर और आउटडोर प्लांट्स की लिस्ट में आता है। इसे आप गार्डन से लेकर बालकनी तक कहीं भी सजा सकते हैं। ये पौधा आपके पूरे घर की शोभा बढ़ा सकता है। अगर आप भी पूरे साल अपने घर को इसकी खुशबू से महकाना चाहते हैं, तो सर्दियों का मौसम इसे प्लांट करने के लिए सबसे बेहतर है। इस फूल की खासियत ये है कि ये पूरे साल फूल देता है। आइए जानें मधुकामिनी का पौधा लगाने का सही तरीका...

नर्सरी से लाकर लगाएं पौधा

- अगर आप घर पर मधुकामिनी का पौधा लगाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप नर्सरी से इसका छोटा सा पौधा लेकर लगा सकते हैं।
- इसके लिए एक अच्छे से गमले का चुनाव करें, जिसमें से पानी की निकासी सही से होती हो। इसमें मिट्टी और कोकोपीट बराबर मात्रा में मिलाकर भरें।
- अब तैयार गमले में सावधानी से नर्सरी से लाए पौधे को लगा लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालें। ध्यान रहे सर्दियों में इसमें ज्यादा पानी डालने की जरूरत नहीं होती।

बीज से उगाएं

- अगर आप खुद ही पूरा पौधा उगाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप बीज की मदद ले सकते हैं। बीज की मदद से भी आप आसानी से पौधा उगा सकते हैं।
- इसके लिए नर्सरी से मधुकामिनी के पौधे के बीज मंगवाएं। बीजों को रातभर पानी में भिगोकर रखें। सुबह इसे टिशू पेपर में लपेट लें।
- अब एक गमले में रेतीली मिट्टी और गोबर खाद को मिक्स कर लें। इसमें थोड़ी सी कोकोपीट भी डाल लें।
- मिट्टी और गमला तैयार होते ही इसमें सूखे हुए बीजों को सावधानी से थोड़ी-थोड़ी दूरी पर मिट्टी में दबा दें। रोजाना इसमें जरूरत के हिसाब से पानी और धूप दिखाएं।

इस तरह करें देखभाल

- इस पौधे को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। इस पौधे को बहुत ज्यादा ठंडी हवाओं से बचाना जरूरी होता है।
- पौधे को धूप दिखाना बहुत जरूरी है, तो इसे रोजाना अच्छी धूप में रखें।
- इसे ज्यादा हवाएं चलने पर किसी साफ कपड़े से ढककर रखें।

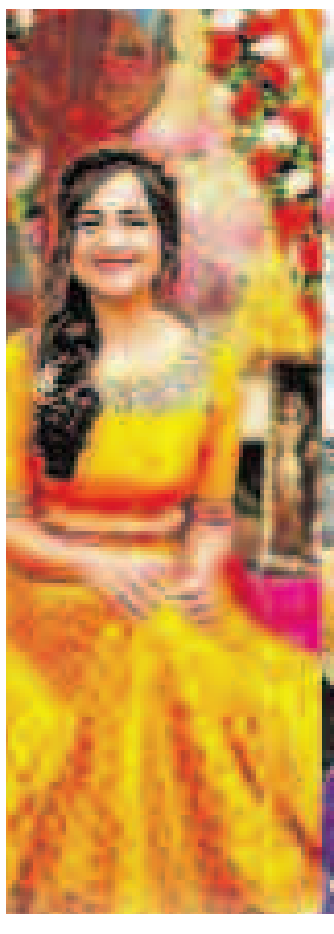

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

22 देशों ने लिया ऐसा फैसला कि बढ़ गई तेल की कीमत, भारत पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई बाजारों में सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह और उनके सहयोगी) ने अगले साल की पहली तिमाही में उत्पादन बढ़ाने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। इससे तेल की आपूर्ति में अचानक बहुत ज्यादा बढ़ोतरी होने का डर कम हो गया है। ओपेक+ दुनिया के तेल उत्पादक और निर्यातक देशों का प्रभावशाली गठबंधन है। इसमें 22 देश शामिल हैं।

रॉयटर्स के मुताबिक लंदन ब्रेंट क्रूड ऑयल के फ्यूचर 47 सेंट यानी 0.73 फीसदी बढ़कर 65.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए। शुक्रवार को यह 7 सेंट बढ़कर बंद हुआ था। वहीं, अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल 45 सेंट यानी 0.74 फीसदी बढ़कर 61.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में यह 41 सेंट बढ़ा था।

क्या लिया था ओपेक+ देशों ने फैसला- ओपेक+ ग्रुप ने रविवार को घोषणा की थी कि वे दिसंबर में उत्पादन 137,000 बैरल प्रति दिन बढ़ाएंगे। यह बढ़ोतरी अक्टूबर और नवंबर के समान ही है। समूह ने एक बयान में कहा था कि दिसंबर के बाद मौसमी कारणों से आठ देशों ने जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 में उत्पादन वृद्धि को रोकने का भी फैसला किया है।

क्यों हुई तेल की कीमत में बढ़ोतरी- ओपेक+ देशों का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में तेल की मांग और सप्लाई को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। तेल की कीमतें भी बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा रही हैं। ओपेक+ देशों का यह कदम वैश्विक तेल बाजार को प्रभावित कर सकता है। अमेरिका ने रूसी तेल कंपनियों पर बैन लगा दिया है। इससे भारत और चीन में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। आने वाले समय में तेल उत्पादन में कमी को देखते हुए इसकी कीमत में तेजी आई है।

रूस की भूमिका अहम

आरबीसी कैपिटल के विश्लेषक हेलिमा क्रॉफ्ट ने कहा कि पहली तिमाही में आपूर्ति की अनिश्चितता और मांग में संभावित नरमी को देखते हुए सावधानी बरतना समझदारी है। उन्होंने यह भी बताया कि रूस अभी भी एक बड़ा अनिश्चितता का सोर्स बना हुआ है। अमेरिका ने हाल ही में रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। साथ ही रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले भी जारी हैं। संडे को यूक्रेन के एक ड्रोन हमले ने रूस के एक प्रमुख काला सागर तेल बंदरगाह, तुआपसे को निशाना बनाया। इस हमले से आग लग गई और कम से कम एक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया।

भारत पर क्या असर

अक्टूबर में ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार तीसरे महीने 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई थी। 20 अक्टूबर को ये पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंच गए थे। इसकी वजह सप्लाई ग्लट का डर और अमेरिकी टैरिफ को लेकर आर्थिक चिंताएं थीं। चूंकि अब ओपेक प्लस देशों ने साल 2026 की पहली तिमाही में तेल का उत्पादन बढ़ाने का फैसला टाल दिया है, ऐसे में इसका असर भारत पर दिखाई दे सकता है। रूस पर बैन के कारण सप्लाई पहले ही प्रभावित हुई है। अब ओपेके प्लस ग्रुप के फैसले के कारण तेल की कीमत बढ़ सकती है। भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल की जरूरत आयात करता है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें सीधे तौर पर देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को प्रभावित करेंगी। इससे महंगाई बढ़ेगी।

2000 की एसआईपी आपको बना सकती है करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर मार्केट में डायरेक्ट पैसा नहीं लगा सकते तो आपके लिए सबसे अच्छा रास्ता म्यूचुअल फंड हैं। यहां आपका पैसा फंड मैनेजर के जरिए कई शेयरों में लगता है। हालांकि, यहां भी निवेश में जोखिम है, लेकिन यहां आपका पैसा एफडी की तुलना में बहुत अधिक रिटर्न दे सकता है। अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो महज 2000 रुपये महीने का निवेश आपका यह सपना

पूरा कर सकता है। आइए समझें कबतक आपकी 2000 की एसआइपी आपको करोड़पति बना सकती है।

योजना बनाना – पहले तय करें कि आप हर महीने कितना पैसा निवेश करना चाहते हैं। मान लीजिए आप म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए हर महीने 2,000 निवेश का फैसला करते हैं।

निवेश की अवधि- अपने निवेश की कुल अवधि तय करें। मान लीजिए आप एक नए निवेशक हैं और कम से कम 30 साल के लिए निवेश करना चाहते हैं।

निवेश की आवृत्ति – म्यूचुअल फंड हाउस महीने में एक बार, तिमाही या सालाना जैसी अलग-अलग आवृत्तियां पेश करते हैं। विशेषज्ञ महीने में एक बार निवेश की सलाह देते हैं।

अपेक्षित रिटर्न – अपेक्षित रिटर्न का मतलब है कि आप अपने एसआईपी निवेश पर कितना रिटर्न की उम्मीद करते हैं। मान लीजिए आप अपने निवेश पर 15 प्रतिशत रिटर्न की उम्मीद करते हैं।

कुल जमा राशि- 15 प्रतिशत के अपेक्षित रिटर्न के साथ 30 साल तक 2,000 की मासिक एसआईपी से आपके पास कुल 1.40 करोड़ की राशि जमा होगी।

टैक्स बचत के लोकप्रिय यूलिप पर लगी लगाम

अब 2.5 लाख से ऊपर नहीं टैक्स फ्री फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे वक्त से, यूलिप टैक्स बचाने का लोकप्रिय विकल्प था, खासतौर पर बीमा कंपनियों के लिए यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान एक आदर्श वित्तीय उत्पाद था। इसमें बीमा का कवरेज, बाजार से जुड़ा (मार्केट लिंक्ड) रिटर्न और आयकर मुक्त मैच्योरिटी बेनिफिट मिलता था। टैक्स कानून में हुए हालिया बदलावों ने तस्वीर उलट दी। यूलिप

अब पहले जितना फायदेमंद नहीं रहा, खासकर ऊंचे प्रीमियम वालों के लिए।

क्या हैं बदलाव- आयकर कानून की धारा 80सी के तहत, अब केवल 1.5 लाख रुपये तक का यूलिप प्रीमियम टैक्स छूट के लिए पात्र है, लेकिन इसके लिए शर्त है। वार्षिक प्रीमियम कुल बीमा राशि के 10 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए व पॉलिसी को कम से कम पांच साल तक बनाए रखना होगा। बजट-2021 में यूलिप की एक और रियायत घटाई गई थी, जिसका स्पष्टीकरण 2025 में दिया गया है। यूलिप की मैच्योरिटी पर होने वाली आय अब पूरी तरह से टैक्स फ्री नहीं है। वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये तक होने पर ही लाभ मिलेगा।

2.5 लाख रुपये की सीमा प्रति पॉलिसी नहीं, बल्कि सभी यूलिप पॉलिसियों के कुल प्रीमियम पर लागू है। वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से ज्यादा होने पर, म्यूचुअल फंड की तरह टैक्स लगेगा यानी यूलिप से होने वाले लाभ पर 12.5 फीसदी का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन लागू होगा। अति-धनाढ्य बीमा की आड़ में टैक्स-फ्री इक्विटी निवेश का फायदा उठाते थे। 2021 से पहले, यूलिप की मैच्योरिटी से आय टैक्स फ्री थी।

यूलिप क्यों नहीं रहा फायदेमंद- शुरुआती वर्षों में कम रिटर्न, क्योंकि प्रीमियम का बड़ा हिस्सा कंपनी की फीस में जाता है। पांच साल की लॉक-इन अवधि के दौरान पैसा नहीं निकाल सकते।

ज्यादा फीस के कारण, यूलिप का शुद्ध रिटर्न अक्सर डायरेक्ट म्यूचुअल फंड की तुलना में कम हो सकता है।

मृत्यु लाभ में बदलाव नहीं...यूलिप में एक क्षेत्र ऐसा है, जो बदलाव से अछूता है। वह है मृत्यु लाभ। बीमाधारक की मृत्यु पर नॉमिनी को मिलने वाली राशि इनकम टैक्स की धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स फ्री है।

एनपीएस खाते से जुड़े नए नियम लागू, अब कुछ ही मिनटों में खुल जाएगा अकाउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने हाल ही में एनपीएस खाते से जुड़े नए नियम लागू किए हैं। इससे अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज के सिर्फ अपने केवाईसी नंबर या बचत बैंक खाता संख्या की मदद से कुछ ही मिनटों में एनपीएस खाता खोल सकता है। खाता खोलने के लिए अब केवल दो चीजों में से एक की जरूरत होगी। पहला केंद्रीय केवाईसी नंबर, जो 14 अंकों का होता है और सभी वित्तीय खातों के लिए केवाईसी को एक साथ जोड़ता है। अगर किसी के पास सीकेवाईसी नहीं है तो उसके पास बचत बैंक खाता नंबर होना चाहिए, जिसकी केवाईसी पहले ही पूरी हो चुकी हो

सरकार ने कर लिया इंतजाम, 7000 करोड़ की संजीवनी से चीन का दबदबा होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी। रेयर अर्थ मैग्नेट के मामले में दुनिया में अभी भी चीन का दबदबा है। चीन ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इसका निर्यात बंद कर दिया था। इसका असर भारत पर भी दिखाई दिया। अब भारत ने इस क्षेत्र में चीन का दबदबा कम करने की तैयारी कर ली है। रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने में भारत अपने प्रोत्साहन कार्यक्रम (इंसेंटिव प्रोग्राम) को लगभग तीन गुना करने की तैयारी कर रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक यह राशि 7000 करोड़ रुपये (करीब 788 मिलियन डॉलर) से ज्यादा है।

बिना मैग्नेट वाली मोटर की भी तैयारी- इस स्कीम के तहत लोकल प्रोडक्शन के लिए इंसेंटिव दिए जाएंगे। इस स्कीम के तहत इंसेंटिव हर कंपनी को सालाना 1200 टन मैग्नेट तक के लिए मिलेगा। आयात पर निर्भरता कम करने के अलावा सरकार मैग्नेट-लेस मोटर (बिना मैग्नेट वाली मोटर) पर रिसर्च को भी बढ़ावा देने पर विचार कर रही है। विकसित भारत 2047 की

एक हाई-लेवल कमेटी ने इलेक्ट्रिक कारों, बसों और ट्रकों के लिए रिलक्टेंस मोटर के इस्तेमाल की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है। यह एक ऐसी मोटर होती है जिसमें मैग्नेट की जरूरत नहीं पड़ती।

चीन ने लगाई थी पाबंदी- भारत की यह विस्तार योजना ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर के देश चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। चीन दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत दुर्लभ पृथ्वी उत्पादन को प्रोसेस करता है। अप्रैल में अमेरिका के साथ व्यापार तनाव के बीच चीन ने एक्सपोर्ट पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थीं। चीन ने अब कुछ शर्तों के साथ निर्यात की इजाजत दे दी है, लेकिन भारत सरकार चाहती है कि देश आत्मनिर्भर बने और किसी एक देश पर पूरी तरह निर्भर न रहे।भारत को मिला कई देशों का साथ भारत के इस प्लान के बाद दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कई दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड सप्लायर भारत को सप्लाई देने के लिए तैयार हो गए हैं।

इस हफ्ते खुल रहे हैं 10700 करोड़ के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ के लिहाज से यह हफ्ता काफी व्यस्त रहेगा। एक तरफ लेंसकार्ट का आईपीओ पहले से ही खुला है। तो वहीं दूसरी तरफ 6 कंपनियों के आईपीओ भी खुलने जा रहे हैं। यह कंपनियां 10733.50 करोड़ रुपये जुटाती नजर आएंगी। बता दें, जिन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं उसमें ग्रो और पाइन लैब्स भी शामिल है।

दिग्गज स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर से खुल जाएगा। निवेशकों के पास कंपनी के आईपीओ पर 7 नवंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी ने 95 रुपये से 100 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ग्रो में पीक एक्सवी पार्टनर्स, वायसी होल्डिंग्स, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट जैसी कंपनियों का निवेश है। ग्रो के आईपीओ का साइज 6632.30 करोड़ रुपये है। फ्रेश शेयरों के जरिए यह कंपनी 1060 करोड़ रुपये और ऑफर फार सेल के जरिए यह कंपनी 5572.30 करोड़ रुपये जुटाती हुई नजर आएगी।

पाइन लैब्स का आईपीओ 7 नवंबर को ओपन- यह भी मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी प्राइमरी मार्केट से 3900 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करेगी। आईपीओ के लिए कंपनी का प्राइस बैंड 120 रुपये से 128 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

चीन के फैसले से सोने के भाव में फिर होगी तेज हलचल, वैट छूट खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने अपने यहां सोने पर दी जा रही पुरानी टैक्स छूट को समाप्त कर दिया है। यह फैसला नवंबर 2025 से लागू हो गया है। इसका सीधा असर यह होगा कि चीन में सोने की खुदरा कीमतें तीन से पांच फीसदी तक बढ़ जाएंगी। इसका सीधा असर वैश्विक सोने के बाजार पर भी देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने के दाम में फिर से तेजी देखने को मिल सकती है।

चीन के वित्त मंत्रालय के नए नियम के अनुसार, 1 नवंबर 2025 से खुदरा विक्रेता शंघाई गोल्ड एक्सचेंज से खरीदे गए सोने पर वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) की छूट नहीं ले पाएंगे। चाहे सोना सीधे बेचा जाए या प्रोसेसिंग के बाद। यह नियम उच्च शुद्धता वाली सोने की छड़ों और सिक्कों पर लागू होगा। साथ ही यह गहनों और औद्योगिक इस्तेमाल में होने वाले सोने की बिक्री पर भी असर डालेगा।

इसका सीधा असर यह होगा कि चीन में सोने की खुदरा कीमतें तीन से पांच फीसदी तक बढ़ जाएंगी। चीन के इस फैसले से वैश्विक बुलियन मार्केट में हलचल तेज हो गई है। विशेषज्ञ चीन के इस कदम को उसकी कमजोर होती अर्थव्यवस्था और सरकार की राजस्व बढ़ाने की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

भारत पर ऐसे असर- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और यहां की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार से सीधे जुड़ी होती हैं। चीन में टैक्स बढ़ने से वैश्विक सोने की कीमतें ऊपर जाने पर भारत में भी सोना महंगा होगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में सोने की दर करीब तीन से पांच फीसदी तक बढ़ सकती है। ज्वेलरी कारोबार पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। सोना महंगा होने से उपभोक्ताओं की खरीदारी घटेगी, जिससे विक्रेताओं की दबाव बढ़ सकता है।

कीमतों में उछाल के आसार- विशेषज्ञों का कहना है कि चीन दुनिया का सबसे बड़े सोना उपभोक्ता देशों में से एक है। वहां अगर टैक्स बढ़ता है तो वैश्विक मांग और कीमतों पर असर पड़ना तय है। टैक्स छूट खत्म होने से सोने की खरीद महंगी होगी, जिससे चीन में उपभोक्ता मांग घट सकती है। लेकिन इसकी भरपाई अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ाकर की जाएगी। इससे सोने के वायदा भाव और अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट में तेजी देखने को मिल सकती है।

अमेरिकी कंपनी ले सकती है वोडाफोन आइडिया की कमान, 6 अरब डॉलर के निवेश की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। घाटे में चल रही वोडाफोन आइडिया को अमेरिकी कंपनी का सहारा मिल सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार अमेरिकी निवेश फर्म टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग्स वोडाफोन आइडिया में से 6 अरब डॉलर (लगभग 35,488 से 53,232 करोड़ रुपये) का निवेश करने की सोच रही है। इतना ही नहीं, यह कंपनी इस घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी का मालिकाना हक भी अपने हाथ में ले सकती है।

हालांकि, यह बड़ा निवेश तभी होगा जब भारत सरकार वोडाफोन आइडिया की सभी देनदारियों को निपटाने के लिए एक ठोस पैकेज देगी। इसमें एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू और स्पेक्ट्रम भुगतान से जुड़े सभी बकाया शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक अगर यह डील फाइनल होती है तो टीजीएच कंपनी के प्रमोटर बन जाएंगे और मौजूदा प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप और यूके की वोडाफोन से नियंत्रण ले लेंगे। अभी इस टेलीकॉम कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक भारत सरकार है। भारत सरकार के पास करीब 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अगर वोडाफोन आइडिया और टीजीएच के बीच डील हो जाती है तो भारत सरकार का भी इस

पर कोई कंट्रोल नहीं रहेगा। हालांकि सरकार एक छोटी और निष्क्रिय निवेशक बनी रहेगी।

माफ नहीं होगी बकाया राशि- टीजीएच बकाया राशि को माफ करने की मांग नहीं कर रही है। बल्कि, वे इन देनदारियों को इस तरह से पुनर्गठित करना चाहते हैं जिससे कंपनी को कुछ राहत मिल सके। इस संबंध में उन्होंने सरकार को एक विस्तृत प्रस्ताव भी सौंपा है। एक सूत्र ने बताया कि टीजीएच का प्रस्ताव बकाया राशि के समाधान के साथ ही आएगा। यह फर्म जिस पुनर्गठन पैकेज की मांग कर रही है, वह उनके निवेश और उनका निवेश सरकार द्वारा दिए जाने वाले राहत पैकेज पर निर्भर करेगा। अगर सरकार वोडाफोन आइडिया को राहत पैकेज देने का फैसला करती है, तो यह डील आने वाले महीनों में पूरी हो सकती है।

नहीं सुधरी वोडाफोन आइडिया के हालत- पिछले साल वोडाफोन आइडिया ने फॉलो-ऑन और प्रेफरेंशियल इश्यू के जरिए 24,000 करोड़ रुपये जुटाए थे, लेकिन यह फंड जुटाने के बावजूद कंपनी की हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ। कंपनी अपनी योजना के अनुसार 25,000 करोड़ रुपये का कर्ज भी नहीं जुटा पाई है।

इस वित्तीय वर्ष के अंत तक वोडाफोन आइडिया को एक बड़े सहारे की जरूरत है, क्योंकि तब उसे एजीआर से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के वैधानिक बकायों का भुगतान शुरू करना होगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते वोडाफोन आइडिया को कुछ राहत दी है, लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि यह आदेश सभी एजीआर बकायों पर लागू होता है या सिर्फ लगभग 9,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग पर।

पहले भी कारनामा कर चुकी है टीजीएच

टीजीएच मुख्य रूप से डिजिटल और ऊर्जा परिवर्तन जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में निवेश करती है। उनके पास एक टेलीकॉम ऑपरेटर को चलाने के लिए जरूरी विशेषज्ञता और अनुभव है। इसके चेयरमैन और सीईओ संजीव आहूजा को 2003-2007 के दौरान फ्रेंच टेलीकॉम दिग्गज ऑरेंज को उबारने का श्रेय दिया जाता है। टीजीएच की पहले से ही टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे फाइबर और टावर संपत्ति) में कई देशों में हिस्सेदारी है।

टीजीएच ने पहले भी वोडाफोन आइडिया में निवेश को लेकर लगभग 18 महीनों तक बातचीत की थी। लेकिन जब पिछले साल वोडाफोन आइडिया ने संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर फंड जुटाने का फैसला किया, तो यह फर्म पीछे हट गई थी क्योंकि उन्हें लगा कि यह उनके लिए अच्छा सौदा नहीं है। सूत्रों के अनुसार, हाल के महीनों में यह बातचीत फिर से तेज हो गई है।

महिला वर्ल्ड कपः

वर्ल्ड चैम्पियन भारतीय टीम पर धनवर्षा

BCCI ने किया 51 करोड़ देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए वनडे वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम किया. 2 नवंबर (रविवार) को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में हुए खिताबी मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से परास्त किया. भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप खिताबी जीता है. वहीं साउथ अफ्रीकी टीम का खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया. भारतीय टीम की जीत के बाद इनामों की बारिश हो रही है. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने खिलाड़ियों और टीम के सपोर्ट स्टाफ के लिए बड़ा ऐलान किया है. बीसीसीआई भारतीय टीम को प्राइज मनी के तौर पर 51 करोड़ रुपये देगा. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस बात को कन्फर्म किया है. भारतीय महिला टीम को पहली बार इतनी इनामी राशि मिलने जा रही है. देवजीत सैकिया ने से बातचीत में कहा, '1983 में कपिल देव ने भारत को वर्ल्ड कप जिताकर भारतीय क्रिकेट को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी थी. अब हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने वही जोश और उत्साह दोबारा जगा दिया है. उन्होंने सिर्फ ट्रॉफी नहीं जीती, बल्कि पूरे देश का दिल जीत लिया है.'

देवजीत सैकिया ने द्रुष्ट्ट चेयरमैन का जताया आभार- देवजीत सैकिया ने कहा कि यह जीत भारत में महिला क्रिकेट के भविष्य को नई दिशा देगी और अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी. उन्होंने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल) के चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सचिव जय शाह को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने महिला खिलाड़ियों को लेकर जरूरी कदम उठाए हैं. देवजीत सैकिया ने कहा, 'जय शाह के नेतृत्व में महिला क्रिकेट में बड़े बदलाव आए हैं. वेतन समानता पर भी ध्यान दिया गया. हाल ही में महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई. यह 2.88 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर लगभग 14 मिलियन डॉलर कर दी गई. इन कदमों से महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की है.' आईसीसी की तरफ से भी भारतीय टीम को खिताब जीतने पर 4.48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली है, जो क्रिकेट इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में आईसीसी ने 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 123 करोड़ रुपये) की इनामी राशि बांटी, जो 2022 के संस्करण से लगभग तीन गुना ज्यादा है।

कुलदीप यादव ऑस्ट्रेलिया से लौटेंगे भारत

● अब साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ खेलेंगे चार दिवसीय मैच; टीम मैनेजमेंट ने बीसीसीआई से अनुरोध किया था

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के लेफ्ट-आर्म चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चल रही टी-20 सीरीज से रिलीज कर दिया गया है। अब वह भारत लौटकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे 5 टी-20 मैचों की सीरीज में तीन मैच खत्म हो चुके हैं। वहीं, सीरीज 1-1 से बराबर है। जबकि एक मैच बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया था। टीम प्रबंधन बीसीसीआई से कुलदीप को रिलीज करने का अनुरोध किया था बीसीसीआई ने बताया कि कुलदीप को टीम से रिलीज करने का अनुरोध भारतीय टीम प्रबंधन की ओर से किया गया था। उन्हें अब भारत ए टीम में शामिल किया गया है, जो 6 नवंबर से बेंगलुरु में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरा चार दिवसीय मैच खेलेगी। यह मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित होगा।कुलदीप यादव ऑस्ट्रेलिया में एक वनडे और दो टी-20 मैच खेले कुलदीप यादव ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे में से एक और पहले दो टी20 मैच खेले थे। उन्हें तीसरे टी20 में वॉशिंगटन सुंदर की जगह बाहर बैठना पड़ा था। चौथा मैच 6 नवंबर को कैरेरा और पांचवा मैच ब्रिस्बेन में खेले जाएगा। वहीं, भारत की पहली टेस्ट मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होगी।

मैंने शुरुआत में ही कहा था, भगवान ने मुझे यहां कुछ अच्छा करने भेजा हैः वर्ल्ड कप हीरो शैफाली वर्मा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक जीत की नायिका बनीं 21 वर्षीय शैफाली वर्मा , जिन्होंने 87 रनों की धमाकेदार पारी खेलने के साथ दो अहम विकेट भी झटके। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में भावुक शैफाली ने कहा, 'मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भगवान ने मुझे यहां कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है। आज वही बात सच हुई। यह पल शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। अगर खुद पर भरोसा रखो और शांत रहो, तो कुछ भी मुमकिन है।' शैफाली ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, दोस्तों और टीम के सपोर्ट को दिया। उन्होंने कहा कि फाइनल में उनका एक ही लक्ष्य था–टीम को जीत दिलाना। फाइनल में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तब गेंद शैफाली को थमाई जब लॉरा वूलवार्ट और सून लूस की साझेदारी मजबूत हो रही थी। शैफाली ने दूसरी ही गेंद पर लूस को कैच एंड बॉल्ड आउट कर मैच का रुख पलट दिया। अगले ओवर में उन्होंने मारीज़ाने कैप को भी पवेलियन भेजा और भारत के लिए दबाव तोड़ने वाली गेंदबाज साबित हुई। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह सिर्फ उनका छठा वनडे मैच था जिसमें उन्हें गेंदबाजी का मौका मिला। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए शैफाली को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। शैफाली ने कहा, 'आज लगा कि भगवान ने जो कहा था, वो पूरा कर दिया। यह सिर्फ मेरी नहीं, पूरे देश की जीत है।'

पेरिस मास्टर्सः

यानिक सिनर ने जीता खिताब, फिर से बने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी

पेरिस, एजेंसी। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतकर एक बार फिर दुनिया के नंबर-1 पुरुष खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (4) से हराया। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने कार्लोस अल्काराज़ को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में न केवल एक भी सेट नहीं गंवाया, बल्कि फाइनल में एक भी ब्रेक पॉइंट भी नहीं छोड़ा। मैच के बाद सिनर ने कहा, पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की है और इस तरह का परिणाम देखकर बहुत खुशी होती है। यह साल मेरे लिए वाकई यादगार रहा।

महिला विश्व कपः जब प्रतिका चोटिल हुई सब रो पड़े, हरमनप्रीत का इमोशनल खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खुलासा किया कि जब ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर वर्ल्ड कप से बाहर हुई, तब पूरी टीम भावुक होकर रो पड़ी थी। हरमनप्रीत ने कहा, जब प्रतिका चोटिल हुई, हर कोई रो रहा था... फिर भी सबके मन में एक ही बात थी — हमें ट्रॉफी जीतनी है। हमने दिन-रात मेहनत की और नतीजा सबके सामने है। प्रतिका रावल, जिन्होंने टूर्नामेंट में 308 रन (औसत 51.33) बनाए थे, बांग्लादेश के खिलाफ मैच में टखने और घुटने की चोट के चलते सेमीफाइनल से पहले बाहर हो गई थीं। इसके बावजूद टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में 52 रन से हराकर इतिहास रचा। प्रतिका ने फाइनल के दौरान व्हीलचेयर पर बैठकर टीम की जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, टीम के साथ यह पल जीना अविश्वसनीय है। चोट लगने के बाद भी जब हर विकेट या छक्का पड़ता था, तो रोंगटे खड़े हो जाते थे। उनकी जगह आई शेफाली वर्मा ने फाइनल में 87 रन और 2 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। हरमनप्रीत ने कहा, यह जीत सिर्फ मैदान पर मौजूद 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन सबकी है जिन्होंने पर्दे के पीछे मेहनत की।

ऑस्ट्रेलिया की टीम से ट्रेविस हेड बाहर , नहीं खेलेंगे भारत के खिलाफ T20 सीरीज के आखिरी 2 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ओपनर ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज 8 नवंबर को खत्म होनी है. लेकिन, ट्रेविस हेड का सफर इसमें उससे पहले ही खत्म हो गया है. ट्रेविस हेड के ञ्20 सीरीज से अचानक हटने की वजह ऑस्ट्रेलिया की एशेज को लेकर चल रही तैयारी है. एशेज के नाम पर ञ्20 सीरीज से बाहर होने वाले हेड तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। **ट्रेविस हेड टी-20 सीरीज से बाहर-** ट्रेविस हेड को टी-20 सीरीज के पांचों मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में चुना गया था. लेकिन, अब वो आखिरी दो टी-20 में खेलते नहीं दिखेंगे. सीरीज के पहले तीनों टी-20 में हेड ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. पहला टी-20 कैनबरा में बारिश के चलते रद्द हो गया था. जबकि मेलबर्न में खेला दूसरा टी-20 ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से जीता था, जिसमें हेड ने 15 गेंदों में 28 रन बनाए हैं. वहीं तीसरे टी-20 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, जिसमें हेड के बल्ले से सिर्फ 6 रन आए।

शेफील्ड शील्ड के अगले राउंड में खेलेंगे- ट्रेविस हेड को एशेज की तैयारियों के मद्देनजर टी-20 सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर रखा गया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चाहता है कि एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले टेस्ट में खेलने वाले सभी खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड के अगले राउंड में खेलते दिखें. हेड से पहले हेजलवुड और शॉन एबट भी एशेज को लेकर टी-20 सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स अब से हर साल 2 बार होंगेः कुलदीप शतरंज

पंचकूला, एजेंसी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि हरियाणा प्रदेश में अब से प्रत्येक साल में 2 बार हरियाणा प्रदेश ओलम्पिक खेल महोत्सव का आयोजन हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा किया जाएगा। इससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। अगले साल आयोजित होने वाले भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा नेशनल ओलंपिक गेम्स में हरियाणा प्रदेश से 1000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू कर दी गई है। राजनीतिक कारणों से 13 साल तक राज्य ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं हो सका। इस कमी की भरपाई करने का प्रयास हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक साल में दो बार हरियाणा प्रदेश ओलंपिक खेलो के आयोजन से हरियाणा प्रदेश के काफी खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिल सकेगा। प्रदेश के खिलाड़ियों को दी गई है स्पेशल आईडी : पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा प्रदेश में 7 हजार से अधिक खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके है। आईडी में स्पेशल कोड है जिसके माध्यम से किसी खिलाड़ी के बारे में सारी जानकारी हासिल की जा सकती है। खिलाड़ी कब कब किस स्तर पर खेला, वर्तमान में किस स्तर पर खेल रहा है, उसका बल्ड ग्रुप क्या है, वह कहा का रहने वाला है इत्यादि जानकारी स्पेशल कोड से आसानी से पता किया जा सकेगा। हरियाणा प्रदेश खेलो की राजधानी व स्पेशल हब बनता जा रहा है।

उत्तराखंड में 6 महीने ट्रेनिंग कर रचा इतिहास

● 7 साल की आर्या बनी नंबर-1 मैराथन रनर, आधे घंटे से पहले पूरी की 5किमी दौड़

पौड़ी गढ़वाल (एजेंसी)। उत्तराखंड के पौड़ी स्थित एशिया के दूसरे सबसे ऊंचे स्टेडियम 'रांसी' से ट्रेनिंग लेने वाली 7 साल की आर्या ने इतिहास रच दिया है। इस नन्ही बच्ची ने पुणे में आयोजित बीएसएफ पावर रन मैराथन में 5 किलोमीटर की दौड़ सिर्फ 24 मिनट 22 सेकंड में पूरी कर दुनिया की सबसे तेज नन्ही मैराथन धाविका बनने का रिकॉर्ड बनाया। आर्या की यह उपलब्धि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो चुकी है। उसके पिता पंकज ने बताया कि इतनी कम उम्र में यह विश्व रिकॉर्ड हासिल कर आर्या ने न सिर्फ उनका बल्कि पूरे भारत का नाम रोशन किया है। पौड़ी के रांसी स्टेडियम में आर्या को हिमाचल में जन्में इंटरनेशनल रनर सुनील शर्मा कोचिंग दे रहे हैं। वह पिछले 6 महीने से आर्या को इस मैराथन की तैयारी करवा रहे थे। **महाराष्ट्र से सपने पूरे करने पौड़ी आई आर्या की कहानी-** महाराष्ट्र के वर्धा जिले के पुलगांव की आर्या मिडिल क्लास फैमिली से हैं। पिता पंकज टाकोने पुलिस में हैं और मां गृहिणी हैं। आर्या ने शुरुआत पुलगांव के एक वॉलीबॉल मैदान से की, फिर वर्धा और नागपुर में प्रोफेशनल ट्रेनिंग ली। पिता बताते हैं- जब दूसरे बच्चे एक साल की उम्र में चलना सीखते हैं, तब आर्या दौड़ने की कोशिश करती थी। उसे बचपन से ही मैदान से लगाव था। **3 साल की उम्र में बना चुकी हैं विश्व रिकॉर्ड-** आर्या अभी महाराष्ट्र के ही एक सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर रही हैं, चूंकी वह पिछले 6 महीने से ट्रेनिंग ले रहीं थी तो इस दौरान वह ऑनलाइन क्लास लेती थी, पढ़ाई के साथ साथ वह 6 से 7 घंटे प्रेक्टिस भी करती थी। आर्या के नाम केवल यही रिकॉर्ड नहीं है बल्कि वह तो तीन साल में भी दुनिया को हैरान कर चुकी हैं। दरअसल सिर्फ 3 साल 6 महीने की उम्र में उन्होंने 1 किलोमीटर की दूरी महज 6 मिनट में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। **पौड़ी में 6 महीने तक चली थी तैयारी-** आर्या ने बीते छह महीने उत्तराखंड में रहकर ही इस मैराथन की तैयारी की। वह पौड़ी के रांसी स्टेडियम में कोच सुनील शर्मा के साथ हर रोज ट्रेनिंग करती थी। ऊंचाई और ठंडे मौसम में ट्रेनिंग से उसे काफी मजबूती मिली। कोच सुनील शर्मा बताते हैं कि आर्या हर दिन सुबह-शाम खूब पसीना बहाती थी और कभी अभ्यास से पीछे नहीं हटती।साथ ही उन्होंने कहा-आर्या की यह उपलब्धि न सिर्फ पुलगांव या वर्धा की शान है, बल्कि यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

चोकर के बाद अनलकी का ठप्पा! लगातार 4 वर्ल्ड कप में फाइनल हार चुका साउथ अफ्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने रविवार को महिला विश्व कप 2025 के खिताबी मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से रौंदा। पुरुष और महिला क्रिकेट इतिहास में ऐसा लगातार चौथी बार था, जब इस देश ने फाइनल में पहुंचकर खिताब गंवाया। आइए, इन चार मौकों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्रिकेट इतिहास में कई दशकों तक साउथ अफ्रीका पर चोकर का ठप्पा लगा रहा। ये वही देश है, जो 22 मार्च 1992 को पुरुष वनडे विश्व कप का सेमीफाइनल मैच अप्रत्याशित तरीके से गंवा बैठा था। इसके बाद से कुछ और भी ऐसे मौके आए, जहां साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद फाइनल का टिकट हासिल नहीं कर सका। आखिरकार, इस ठप्पे को महिला क्रिकेट टीम ने हटाया। साल 2023 में क्रिकेट विश्व कप इतिहास में साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल में पहुंचा। यह महिला टी20 विश्व कप 2023 था, जहां साउथ अफ्रीका के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती थी। 26 फरवरी को केपटाउन में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका निर्धारित ओवरों में 137/6 का स्कोर ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया ने 19 रन से मैच जीता। अगले ही साल पुरुष क्रिकेट टीम ने भी खुद से चोकर के ठप्पे को हटाया। टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से मात देकर साउथ अफ्रीका खिताबी मुकाबले में पहुंच गया था। दूसरी ओर, भारतीय टीम इंग्लैंड को 68 रन से शिकस्त देकर फाइनल में पहुंची थी।

29 जून को ब्रिजटाउन में भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने थीं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी। टीम इंडिया ने 7 रन से अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता।

इसी साल साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने भी टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली थी। 20 अक्टूबर को दुबई के मैदान पर इस बार साउथ अफ्रीकी फैंस को टीम से जीत की उम्मीद थी, लेकिन उसे न्यूजीलैंड के हाथों 32 रन से खिताब गंवाना पड़ा।

धूमधाम से शुरू हुई टी20 लीग, टूर्नामेंट के बीच में ही भागे आयोजक, होटल में फंस गए कई विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल की सफलता के बाद दुनिया भर में कई क्रिकेट लीग शुरू हुई। पिछले कुछ समय में भारत के राज्यों में भी लीग क्रिकेट हो रही है। इसके साथ ही कई प्राइवेट लीग का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें दुनिया भर के बड़े खिलाड़ी खेलते हैं। ऐसी ही एक लीग की शुरुआत 25 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुई थी। इसमें वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के अलावा कई विदेशी खिलाड़ी खेल रहे थे।**आयोजन बीच टूर्नामेंट में ही भागे-** जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में इस लीग आयोजन अचानक उस वक्त बंद हो गया। जब लीग के आयोजक 2 नवंबर की रात को सब कुछ छोड़कर भाग गए। इस वजह से करीब 70 विदेशी खिलाड़ी होटल में फंस गए। यह लीग 8 नवंबर तक चलने वाली थी, लेकिन अब श्रीनगर का ऐतिहासिक बख्शी स्टेडियम वीरान पड़ा है। आयोजकों ने होटल, खिलाड़ियों और अंपायरों का भुगतान नहीं किया है, जिससे खिलाड़ियों को घर जाने के लिए होटल प्रबंधन से समझौता करना पड़ा। **कई विदेशी स्टार ले रहे थे हिस्सा-** लीग का आगाज 25 अक्टूबर को बड़े धूमधाम से हुआ था। इसमें क्रिस गेल के अलावा न्यूजीलैंड के जेसी राइडर और श्रीलंका के तिसारा परेरा जैसे कई इंटरनेशनल क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया था। आयोजकों के भाग जाने के कारण करीब 70 विदेशी खिलाड़ी होटल में फंस गए। होटल के अधिकारी ने बताया कि लगभग 150 कमरे बुक कराए थे। उन्होंने कश्मीरी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्रिस गेल के साथ एक भव्य कार्यक्रम का वादा किया था। लेकिन रविवार सुबह उन्हें पता चला कि आयोजक बकाया चुकाए बिना ही गायब हो गए हैं।

इस जीत में 1983 विश्व कप जैसा बदलाव लाने की क्षमताः महिला टीम के कोच मजूमदार

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में रविवार को मिली जीत की तुलना 1983 के पुरुष विश्व कप से करते हुए कहा कि इसमें भारतीय क्रिकेट में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता है। भारत ने महिला विश्व कप के फाइनल दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म किया। टीम इससे पहले 2005 और 2017 में उपविजेता रही थी। कपिल देव की अगुवाई में भारतीय पुरुष टीम के 1983 में विश्व चैंपियन बनने के बाद देश में क्रिकेट की लोकप्रियता काफी बढ़ गयी थी और इसने कई पीढ़ियों को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया था। मजूमदार ने मैच के बाद कहा, 'यह भारतीय क्रिकेट में 'वाटरशेड मूवमेंट (बड़ी प्रगति और बड़े सकारात्मक बदलाव का प्रतिक) है। पिछले तीनों मैचों में यह स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था। करोड़ों की संख्या में दर्शक टेलीविजन पर देख रहे थे। इससे कुछ दर्शक जरूर प्रेरित हुए होंगे। 1983 की विश्व कप जीत ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया था और इस जीत में भी ऐसा करने की क्षमता है।

जरा-जरा टच मी ने

बदली मोनाली ठाकुर की जिंदगी, एक गाने से मिला दोहरा मौका

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर मोनाली ठाकुर की आवाज हमेशा से ही लोगों के दिलों को छूती आई है। उनकी मधुर और भावपूर्ण आवाज ने उन्हें न केवल फिल्मों में बल्कि संगीत प्रेमियों के बीच भी खास पहचान दिलाई है। मोनाली के करियर की शुरुआत छोटी-छोटी प्रतियोगिताओं और स्कूल के फंक्शन्स से हुई थी, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से धीरे-धीरे बॉलीवुड में जगह बनाई। खास बात यह है कि उनके करियर की शुरुआत में ही ऐसा मौका आया, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी।

मोनाली ठाकुर का जन्म 3 नवंबर 1985 को पश्चिम बंगाल में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता, शक्ति ठाकुर, खुद एक प्रसिद्ध बंगाली गायक थे और उनकी बहन, मेहुली ठाकुर भी एक पेशेवर पार्श्व गायिका हैं। ऐसे परिवार में जन्म लेने की वजह से मोनाली को बचपन से ही संगीत में रुचि रही। उन्होंने भारतीय संगीत की शिक्षा पंडित जगदीश प्रसाद और अजय चक्रवर्ती से प्राप्त की। बचपन में ही मोनाली ने कई स्कूल और कॉलेज की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और अपनी गायकी से सभी का ध्यान खींचा। मोनाली ने अपना करियर बड़े स्तर पर तब शुरू किया, जब उन्होंने 2006 में लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 2' में भाग लिया। शो में उनकी मधुर आवाज और स्टेज पर परफॉर्मेंस ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। हालांकि वह टॉप 9 कंटेस्टेंट्स में ही शामिल हुईं, लेकिन विजेता नहीं बन पाईं। इस शो ने उन्हें बॉलीवुड में कदम रखने का अवसर दिया। मोनाली के करियर का सबसे बड़ा मोड़ 2008 में आया, जब उन्हें फिल्म 'रेस' में गाने का मौका मिला। शुरू में उन्हें केवल एक गाना 'जरा-जरा टच मी' गाने को दिया गया था, लेकिन उनकी रिकॉर्डिंग इतनी शानदार थी कि फिल्म के निर्देशक अब्बास-मस्तान और म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मोनाली को दूसरा गाना 'ख्वाब देखें झूठे मूठे' भी गाने का मौका दे दिया। इस घटना ने मोनाली के करियर को एक नई ऊंचाई दी और दोनों गाने सुपरहिट साबित हुए। इस सफलता के बाद मोनाली ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बॉलीवुड में लगातार अपने लिए जगह बनाई।

इसके बाद मोनाली ने कई हिट गाने दिए। फिल्म 'लुटेरा' का गाना 'संवार लूं', फिल्म 'दम लगा के हइशा' का 'मोह मोह के धागे', और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' का टाइटल सॉन्ग 'बद्री की दुल्हनिया' जैसे गाने उनकी पहचान बने। उनके गाने केवल लोकप्रिय ही नहीं हुए, बल्कि उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। 'संवार लूं' गाने के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा गया, जबकि 'मोह मोह के धागे' ने उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड दिलाया।

काजल राघवानी ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, दिखेगा भक्ति और आस्था का मिलन

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजल राघवानी फिल्मों और गानों में सक्रिय हैं। काजल का लेटेस्ट रिलीज गाना 'पायल घुंघरू वाला' 3 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है। अब काजल ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और फिल्म का नाम भी फैंस के सामने रिवील कर दिया है। काजल राघवानी ने सोशल मीडिया अपडेट किया है और नई फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर की है। फोटो में एक्ट्रेस हाथ में फिल्म का बोर्ड लिए खड़ी है, जिस पर लिखा है 'आस्था' छठी मईया। काजल की अपकमिंग फिल्म में उनका लुक काफी सिंपल है। फोटो में वे सिंपल प्रिंटेड साड़ी और मिनिमल मेकअप लुक में दिख रही हैं। फैंस भी काजल को उनकी नई फिल्म के लिए दिल से बधाई दे रहे हैं। छठ पर्व के मौके पर काजल राघवानी का छठ गीत 'दुख सुनी दीनानाथ' भी रिलीज हुआ था। गीत को सिंगर सृष्टि भारती की आवाज ने भक्ति से भर दिया। सोशल मीडिया पर गीत को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला। भक्ति गीतों के अलावा काजल के दूसरे जॉनर के गाने भी रिलीज हो चुके हैं। उनका गाना 'लड़का ना चाही डिफेंडर वाला' काफी विवादों में रहा था, क्योंकि यूजर्स ने गाने को खेसारी लाल यादव से जोड़ दिया था। काजल ने खुद आकर सफाई दी थी कि गाने का खेसारी से कोई लेना-देना नहीं। इससे पहले काजल ने गुजराती नव वर्ष के मौके पर सभी से माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, 'मैं माफी मांगकर शुरुआत करती हूं, आप क्षमा करके शुरुआत करें।

हॉलीवुड अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन ने जिम कर्टिस से किया प्यार का इजहार

हाल ही में हॉलीवुड अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन अपनी सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने जिम कर्टिस संग एक रोमांटिक तस्वीर साझा की है। अब अफवाहें उड़ रही हैं कि उन्होंने सगाई कर ली है। 56 वर्षीय हॉलीवुड अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन ने इंस्टाग्राम पर जिम कर्टिस के साथ अपने रिश्ते पर आधिकारिक मुहर लगा दी है। अभिनेत्री ने एक रोमांटिक तस्वीर साझा की है, जिससे चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है। नेटिजंस ने कहना है कि उन्होंने सगाई कर ली है।

जेनिफर ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे माय लव'

अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन ने हिप्नोथेरेपिस्ट जिम कर्टिस को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए अपनी एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर शेयर की है। इसमें वह जिम को पीछे से गले लगा रही हैं। एनिस्टन ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन की बधाई माय लव।'

सिंगल सलमा को सीमित स्क्रीन मिलने से

हुमा का टूटा दिल

समान अवसर की उठाई मांग

भारत का फिल्म उद्योग काफी बड़ा है। यहां हर हफ्ते कई भाषाओं में नई फिल्में रिलीज होती हैं। कुछ फिल्में बड़े बजट और मशहूर सितारों के साथ आती हैं। कुछ छोटी और कहानी प्रधान फिल्में सीमित संसाधनों के साथ बनाई जाती हैं। इन छोटी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती होती है, थिएटर में जगह मिलना। बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टार से सजी फिल्मों के बीच, इन फिल्मों को अक्सर सीमित स्क्रीन और कम शो टाइम मिलते हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छी कहानी होने के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई, जब उनकी फिल्म 'सिंगल सलमा' को देशभर में बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को पर्याप्त थिएटर नहीं मिल पाए। उन्होंने लिखा, ''सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं, न ही करोड़ों रुपए का मार्केटिंग बजट। ऐसी स्थिति में इन फिल्मों को थिएटरों में अपनी जगह बनाना और दर्शकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। आज भी सिस्टम उन फिल्मों को प्राथमिकता देता है जो पहले से ही सुरक्षित मानी जाती हैं, यानी बड़ी बजट और स्टार वाली फिल्में। इंडस्ट्री को एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जहां हर फिल्म, चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे समान अवसर मिले।' हुमा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू कर दी।

चिरंजीवी के नाम का इस्तेमाल करने पर रेस्टोरेंट को मिला लीगल नोटिस

मालिक ने दी हैरान करने वाली प्रतिक्रिया

चिरंजीवी का नाम इस्तेमाल करने पर एक रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किया गया। इस पर रेस्टोरेंट के मालिक ने सफाई दी है। उन्होंने बताया है कि उनका अगला कदम क्या होगा? साउथ के अभिनेता चिरंजीवी के नाम पर हैदराबाद में इस साल अप्रैल में एक रेस्टोरेंट खोला गया था। इस ढाबे के खिलाफ चिरंजीवी का नाम इस्तेमाल करने के लिए कानूनी नोटिस जारी किया गया है। यह खबर जब सोशल मीडिया पर फैली तो रेस्टोरेंट के मालिक रवि तेज ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्हें कानूनी नोटिस मिला है।

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी बनेंगी अगली 'नागिन, 2016 का याद किया वो पल

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी टेलीविजन शो 'नागिन' के आगामी सीजन 7 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के सीजन फिनाले के दौरान सलमान खान के सामने उन्हें शो की मुख्य भूमिका के रूप में घोषित किया गया था। यह वही मंच है जिसने प्रियंका को सीजन 16 में शीर्ष तीन फाइनलिस्ट में से एक चुनकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई थी। यह पल पुरानी यादों और जादू से भरा था, उस शो में वापसी जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर बना दिया था, अब उन्हें भारतीय टेलीविजन की सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक के लिए चुना गया है। प्रियंका चाहर चौधरी ने कहा कि मुझे आज भी 'बिग बॉस 16' का वह पल याद है, जब एकता मैम ने कहा था कि उन्हें अपनी अगली 'नागिन' मिल गई है और उनका यह वादा निभाना और मुझे इस विरासत के लिए चुनना वाकई एक सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से मानना ??रहा है कि कुछ भूमिकाएं एक अभिनेता से एक चरित्र से अधिक होने की मांग करती हैं। वे आपकी ताकत, आपकी सीमा और आपकी भावना को चुनौती देती हैं और यह मेरे लिए बिल्कुल वैसा ही है। नागिन ब्रह्मांड का प्रभार लेना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे बनाए रखने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करूंगी। सलमान सर और लाखों दर्शकों के सामने नागिन के रूप में प्रकट होना भाग्य की योजना से कम नहीं लगता। मैं निर्माताओं की बहुत आभारी हूं। दर्शकों को लुभाते हुए दस साल पूरे करने के बाद, नागिन भारतीय टेलीविजन की सर्वश्रेष्ठ फैंटेसी फ्रैंचाइजी के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखे हुए है। 2015 में अपनी शुरुआत के बाद से इस कल्ट शो ने मौनी रॉय और अदा खान से लेकर तेजस्वी प्रकाश तक, टेलीविजन की प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी पहचान दिलाई है। अब जैसे-जैसे यह विरासत आगे बढ़ रही है, प्रियंका नई नागिन रानी के रूप में सिंहासन पर आसीन हो रही हैं और नागिन जगत को उसके अब तक के सबसे रोमांचक अध्याय में ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 'नागिन 7' का प्रीमियर जल्द ही कलर्स और जियो हॉटस्टार पर होने वाला है।

अमेरिकन गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स ने डिलीट किया इंस्टाग्राम अकाउंट

क्रिप्टिक पोस्ट करने के बाद लिया ये फैसला

मशहूर अमेरिकन गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। जानिए आखिर क्या है वजह। बीते दिनों गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स कई क्रिप्टिक और इमोशनल पोस्ट साझा किया था। इसके बाद उन्होंने अचानक इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। इससे उनके प्रशंसकों में चिंता की लहर दौड़ गई है।

2 नवंबर को डिलीट हुआ अकाउंट

पीपल के अनुसार अमेरिकन गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स का अकाउंट रविवार यानी 2 नवंबर को डिलीट हो गया। प्रशंसकों द्वारा जब उनकी प्रोफ़ाइल देखने की कोशिश की गई, तो उन्हें पता चला कि सिंगर का अकाउंट इंस्टा से हटा दिया गया है।

अल्लू अर्जुन को 'मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर ऑफ द ईयर' का मिला

DPIFF 2025 में किया गया सम्मानित

अवॉडसाउथ स्टाइलिश स्टार अल्लू अर्जुन को दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स 2025 में सम्मानित किया गया। अल्लू को 'मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर ऑफ द ईयर' के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अल्लू अर्जुन ने दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स 2025 में 'मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड जीता। यह सम्मान उनकी शानदार एक्टिंग और सिनेमा में योगदान के लिए दिया गया।

कब किया गया सम्मानित

दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह 30 अक्तूबर 2025 को मुंबई के स्डूक्कस्टेडियम में हुआ। अल्लू अर्जुन ने इस सम्मान के लिए आयोजकों और अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'यह अवॉर्ड मेरे फैंस के लिए है। आपका प्यार और समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

अल्लू को पहले मिल चुका है SIIMA अवॉर्ड

इससे पहले, अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स 2025 और गद्दार तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। 'पुष्पा 2: द रूल' 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू, सुनील और राव रमेश ने भी अहम भूमिका निभाई थीं।